mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-82 | पृष्ठ-8 | मूल्य-3 रूपये

रीवा

26 मार्च 2025 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

केएल राहुल और...

@ पेज 7

पहाड़गंज इलाके से पुलिस ने 23 लड़कियों को रेस्क्यू किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने पहाड़गंज इलाके से 23 लड़कियों को रेस्क्यू कराया है, इनमें से तीन लड़कियां नाबालिग

● दिल्ली: सेक्स रैकेट में थीं शामिल, 7 लोग गिरफ्तार

हैं और 10 लड़कियां नेपाली मूल की हैं। दरअसल इन सभी लड़कियों को पहाड़गंज जिले में एक घर में रखा गया था। गैंग ने इन सबको सेक्स रैकेट में शामिल कर रखा था। दरअसल पुलिस को इस पूरे सेक्स रैकेट के गोरखधंधे का पता चला, जिसके बाद पुलिस ने इस गैंग के सदस्यों को सर्विलांस पर रखना शुरू कर दिया।

पुलिस ने ट्रैप लगाया और नकली कस्टमर बनकर कुछ पुलिस वालों ने इस गैंग से संपर्क किया। इसके बाद यह गैंग पैसे के लालच में पुलिसवालों के जाल में फंस गया और जैसे ही गैंग के सदस्य लड़की लेकर नकली ग्राहक बने पुलिसवालों के पास पहुंचे तो पुलिस की टीम ने गैंग को पकड़ लिया है। इसके बाद लड़कियों से पूछताछ के बाद पुलिस ने हाइड आउट जगह पर रेड की। इसके अलावा पुलिस ने पहाड़गंज इलाके के होटल त्रश्स्र द्बठ्ठ और होटल मिनी पैलेस पर भी रेड की, जहां से लड़कियों को रेस्क्यू कराया गया।

पुलिस ने इस गैंग के 7 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनमें से पांच बिहार के किशनगंज इलाके के रहने वाले हैं और बाकी दो में से एक दिल्ली और दूसरा पश्चिम बंगाल का रहने वाला है। दरअसल यह सभी सातों आरोपी दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में छोटा-मोटा काम करते थे और तकरीबन 1 से 2 महीने पहले ही नाजिम नाम के शख्स के कहने पर इस अवैध धंधे से जुड़ गए थे। नाजिम इस गैंग का सरगना है और नाजिम भी बिहार के किशनगंज का ही रहने वाला है।

पुलिस के मुताबिक, यह गैंग कस्टमर तक लड़कियों को टू व्हीलर के जरिए भेजता था और लड़कियों को कस्टमर तक भेजने की आवाज में कस्टमर से मोटी रकम वसूलता था। जिन नाबालिक लड़कियों को दिल्ली पुलिस ने रेस्क्यू कराया है, उन्हें शेल्टर होम में भेज दिया गया है।

फिलहाल पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार हुए सभी सातों आरोपियों की वेरिफिकेशन भी की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह वाकई में किशनगंज के रहने वाले हैं या फिर अवैध रूप से भारत में बसे बांग्लादेशी हैं।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में होगा तख्तापलट?

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में एक बार फिर तख्तापलट की अफवाहों का बाजार गर्म है। आशंका जताई जा रही है कि आर्मी मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार का तख्तापलट कर शासन की बागडोर अपने हाथ में ले सकती है। चर्चा इस बात की भी है कि सेना प्रमुख वकार उज जमान ने शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ एक आपात बैठक भी की है। सेना प्रमुख ने आतंकवादी हमलों के खिलाफ भी चेतावनी दी है और देश में सतर्कता और सुरक्षा बढ़ाने का आह्वान किया है। सतर्कता और

सुरक्षा बढ़ाने की बात को भी तख्तापलट से जोड़कर देखा जा रहा है। सेना प्रमुख ने गलत जानकारी देने पर कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है और देश की सेवा निष्ठा, समर्पण से करने के लिए सैन्य कर्मियों की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। सेना प्रमुख ने यह बातें ढाका कैंटोनमेंट में अधिकारियों को संबोधित करते हुए कही हैं। खास बात है कि इस बैठक में सेना के शीर्ष अधिकारी शामिल हुए। सेना प्रमुख ने चेतावनी इस वजह से दी है क्योंकि छात्रों की पार्टी के प्रमुख नेताओं में से एक हसनत अब्दुल्ला ने हाल ही में दावा किया था कि सेना अवामी लीग को फिर से स्थापित करने का प्रयास कर रही है। एनसीपी द्वारा ढाका विश्वविद्यालय परिसर में विरोध प्रदर्शन के दौरान अब्दुल्ला के सैकड़ों समर्थकों ने सेना प्रमुख के खिलाफ नारे लगाए थे और मांग की थी कि हसीना और उनके %साथियों% को मुकदमे के बाद फांसी पर लटका दिया जाए। अब्दुल्ला ने यह भी दावा किया था कि भारत के इशारे पर अवामी लीग को पुनर्स्थापित करने की साजिश चल रही है।

2.8 करोड़ रुपए में कराई ब्रेस्ट इम्प्लांट सर्जरी

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में एक महिला ने सुंदर और सुडौल दिखने के लिए ब्रेस्ट इम्प्लांट सर्जरी कराई थी। सर्जरी तो हो गई लेकिन उसके बाद जो हुआ उससे महिला गंभीर रूप से शारीरिक और मानसिक दर्द में है। चीन के जियांग्शी प्रांत की यह महिला अब इंसाफ की

मांग कर रही है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, लिंगलिंग नाम की महिला ने ब्रेस्ट इम्प्लांट्स और उसके बाद हुए ट्रीटमेंट पर लगभग 2.8 करोड़ रुपये (2.4 मिलियन युआन) खर्च किए। इतनी रकम खर्च करने के बाद उसे पता चला कि ब्रेस्ट बढ़ाने के लिए जो इम्प्लांट लगाए गए थे उसमें मवेशियों और जंगली हिरण (मूस) का डीएनए पाया गया है। लिंगलिंग ने 2017 में नई ब्रेस्ट इम्प्लांट तकनीक अपनाने का फैसला किया था। उसे यह सुझाव एक ब्यूटी सैलून के मालिक के जरिए सुझाया गया था। नई तकनीक यह थी कि इम्प्लांटेशन में मरीज के कोलेजन (जिससे हमारी मांस, चमड़ी और हड्डियां बनती हैं) को निकालकर फिर उसे वापस ब्रेस्ट में ही इम्प्लांट किया जाएगा। दावा किया गया कि ऐसे में मरीज की बॉडी इस इम्प्लांट को रिजेक्ट नहीं करेगी। क्लिनिक के इस दावे से प्रभावित होकर लिंगलिंग, सैलून के मालिक के साथ, इस प्रक्रिया के लिए बीजिंग गई। यहां हेड सर्जन बाई जिन ने उन्हें आश्वासन दिया कि पूरा ऑपरेशन सरल और सुरक्षित है। हालांकि, सर्जरी के तुरंत बाद लिंगलिंग को चेस्ट एरिया में दर्द का अनुभव होने लगा। दर्द से छुटकारा पाने के लिए लिंगलिंग को अगले छह सालों में 9 अलग-अलग कॉस्मेटिक प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ा। लिंगलिंग को कई बार हॉस्पिटल के चक्कर लगाने पड़े जिसमें कुल मिलाकर 2.8 करोड़ रुपये से अधिक का खर्च आया।

दुर्गा पूजा पंडाल में लगी आग, 10 साल का बच्चा जिंदा जला

सुंदरगढ़ (एजेंसी)। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के राउरकेला में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। सेक्टर-6 में टेलीफोन भवन के पास एक दुर्गा पूजा पंडाल में अचानक आग लग गई, जिसमें एक मासूम बच्चे की जलकर मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, हादसे के समय कई बच्चे पंडाल के अंदर खेल रहे थे। आग तेजी से फैली, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। अधिकतर बच्चे किसी तरह बाहर निकलने में कामयाब रहे, लेकिन करीब 10 साल का एक बच्चा अंदर ही फंसा रह गया और उसकी दर्दनाक मौत हो गई। आग कैसे लगी और इतनी तेजी से कैसे फैली, इसकी जानकारी अभी साफ नहीं हो पाई है। प्रशासन ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। राउरकेला के अतिरिक्त एसपी प्रभा शंकर नायक ने कहा, ÷हमें सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे। शुरुआती जांच में यह हादसा एक दुर्घटनावश लगी आग लग रहा है। मृतक बच्चा 8-9 साल का था। स्थानीय लोगों ने तीन अन्य बच्चों को सुरक्षित बचा लिया। विस्तृत जांच के बाद ही मौत का सही कारण पता चलेगा।÷ बताया जाता है कि दोपहर करीब 2 बजे आग लगी। पंडाल में पिछले साल के उत्सव की सजावट की सामग्री और बांस की संरचनाएँ रखी हुई थीं, जो जल्दी ही आग की चपेट में आ गई।

अमित शाह ने आपदा प्रबंधन बिल को लेकर दिया जवाब

'जो भी करना है, हमें ही करना है...'

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक, 2024 पर बहस का जवाब दिया। उन्होंने कहा, ÷आपदा प्रबंधन अधिनियम पहली बार 2005 में लागू किया गया था। इसके तहत ह्लष्ठरू, स्ष्ठरू और ष्ठष्ठरू का गठन किया गया। अब चिंता जताई जा रही है कि पावर का केंद्रीकरण हो जाएगा। अगर आप पूरे विधेयक को ध्यान से पढ़ेंगे तो क्रियान्वयन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी जिला आपदा प्रबंधन की है, जो राज्य सरकार के अधीन है इसलिए संघीय ढांचे को कहीं भी नुकसान पहुंचाने की संभावना नहीं है। कुछ सदस्यों ने सवाल उठाया कि संशोधन की क्या जरूरत है। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि अगर समय के साथ किसी इमारत की मरम्मत नहीं की जाती है तो वो ढह जाती है। उन्हें लगता है कि शायद वे आकर इसे बदल देंगे लेकिन अगले 15-20 साल तक किसी की बारी नहीं आएगी। जो भी करना है, हमें

ही करना है...÷ बता दें कि आपदा प्रबंधन अधिनियम पहली बार 2005 में लागू किया गया था। इसके तहत एनडीएमए, एसडीएमए और डीडीएमए का गठन किया गया था।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद अब इतिहास बन चुका है। उन्होंने हुर्रियत से जुड़े दो संगठनों द्वारा अलगाववाद से नाता तोड़ने का हवाला दिया। शाह ने इसे राष्ट्रीय एकता की दिशा में एक कदम बताया और सभी समूहों से अलगाववाद को खारिज करने का आग्रह किया, उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शांतिपूर्ण और एकीकृत भारत के दृष्टिकोण को दर्शाता है।

बिहार में आरजेडी के साथ कांग्रेस लड़ेगी चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस आरजेडी के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। सूत्रोंने ने बताया कि आज की बैठक में कांग्रेस नेतृत्व ने कहा पार्टी आरजेडी के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। ज्यादातर विधायकों की भी यही राय थी। अगले दस दिनों में कांग्रेस बिहार में अपने संगठन को मजबूत करने के लिहाज से प्रदेश इकाई का गठन करगी। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने मंगलवार को बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों का जायजा लिया और चुनाव से पहले पार्टी के रोडमैप पर मंथन किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें पूर्व पार्टी प्रमुख राहुल गांधी, बिहार कांग्रेस प्रमुख राजेश कुमार और उनके पूर्ववर्ती अखिलेश प्रसाद सिंह, एआईसीसी के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल, वरिष्ठ नेता मीरा कुमार, तारिक अनवर, शकील अहमद खान और मोहम्मद जावेद सहित अन्य शामिल हुए।

एक्ट्रेस रान्या राव की जमानत पर 27 मार्च को फैसला सुनाएगा कोर्ट

गोल्ड स्मगलिंग केस में फंसी कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव

बेंगलुरु (एजेंसी)। गोल्ड स्मगलिंग केस में फंसी कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव की जमानत याचिका पर बेंगलुरु सेशंस कोर्ट 27 मार्च को अपना फैसला सुनाएगा। आज न्यायालय में जमानत याचिका पर बहस हुई है। रान्या राव की जमानत पर राजस्व खुफिया निदेशालय ने आपत्ति जताई है। डीआरआई ने कहा कि बचाव पक्ष ने प्रक्रिया में चूक का जो आरोप लगाया है, वो बिल्कुल निराधार है। सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 102 के अनुरूप ही सारी प्रक्रिया का पालन किया गया है। डीआरआई ने कोर्ट में कहा कि जांच के पहले चरण में आरोपियों से कोई सहयोग नहीं मिला है। दोनों आरोपी रन्या और तरुण राजू ने बैंगलोर में वीरा डायमंड्स नाम से एक कंपनी शुरू की थी। इसके साथ ही डीआरआई ने कोर्ट को बताया कि जांच में ये बात सामने आई है कि सोना खरीदने के लिए पैसे का इंतजाम हवाला चैनल के जरिए आरोपी नंबर 1 रान्या राव ने किया था। डीआरआई ने कहा, %हमने आरोपी-1 और आरोपी-2 (तरुण राजू) के खिलाफ पर्याप्त सबूत दिए हैं।%

कोर्ट ने चार्जशीट दाखिल करने के लिए 60 दिन का समय है। इस दौरान डीआरआई ने उनकी जमानत का पुरजोर विरोध किया, क्योंकि रान्या राव के मामले की जांच अभी भी चल रही है।

गोल्ड स्मगलिंग का मामला तब सुर्खियों में आया, जब 3 मार्च 2025 को उन्हें बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दुबई से लौटते समय राजस्व खुफिया निदेशालय ने गिरफ्तार किया। उनके पास से लगभग 14.8 किलोग्राम सोना बरामद किया गया था। इसकी कीमत 12.56 करोड़ रुपये बताई गई है।

केंद्र सरकार ने संसद में दी जानकारी

मेडिकल कॉलेजों में रैगिंग शिकायतों में उत्तर प्रदेश सबसे आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि साल 2024 में मेडिकल कॉलेजों में रैगिंग की सबसे अधिक 33 शिकायतें उत्तर प्रदेश में आयीं हैं। बिहार में इस तरह की 17, राजस्थान में 15 और मध्य प्रदेश में 12 शिकायतें मिलीं हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्यसभा को यह जानकारी दी।

मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (ह्रूष्ट) ऐसे मामलों में सख्त उपाय करता है, जिनमें नियमित निगरानी तथा चिकित्सा संस्थानों के डीन एवं प्राचार्यों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के जरिये चर्चा शामिल हैं। उन्होंने कहा कि एनएमसी ने ऐसे संस्थानों के लिए रैगिंग-रोधी वार्षिक रिपोर्ट पेश करने को अनिवार्य बना रखा है ताकि रैगिंग-रोधी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित हो सके।

पटेल ने कहा कि नियमों का पालन नहीं होने पर कड़ी सजा दी जाती है, जिसमें मान्यता वापस लेने और अन्य दंडात्मक उपाय शामिल हैं। इनका उद्देश्य सुरक्षित एवं

सहयोगात्मक शैक्षणिक माहौल सुनिश्चित करना है। मंत्री ने कहा कि रैगिंग को रोकने के लिए कानून बनाने सहित तमाम उपाय किए गये हैं। इसमें प्रवेश पुस्तिका विवरणिका में रैगिंग-रोधी उपायों का स्पष्टता से उल्लेख करना शामिल है। उन्होंने कहा कि विभिन्न उपायों में, परिसर के उन स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाना शामिल है, जो सुरक्षा की दृष्टि से नाजुक माने जाते हैं, जिनमें कॉलेज, अस्पताल एवं छात्रावास शामिल हैं। इसके अलावा संस्थानों में विभिन्न स्तरों पर रैगिंग-रोधी पोस्टर एवं होर्डिंग लगाना भी शामिल हैं।

अब दिल्ली के बाहर शिफ्ट हो जाएगी तिहाड़ जेल

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सरकार का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को घोषणा की कि तिहाड़ जेल को दिल्ली के बाहरी इलाके में स्थानांतरित किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस बाबत सर्वेक्षण और परामर्श से संबंधित सेवाओं के लिए साल 2025-26 के बजट में 10 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

सुरक्षा संबंधी चिंताओं को लेकर फैसला

सीएम ने कहा कि तिहाड़ जेल के आवासीय क्षेत्रों के निकट होने के कारण सुरक्षा संबंधी चिंताओं के मद्देनजर इसे (तिहाड़ जेल को) स्थानांतरित करने का फैसला किया गया है।

1958 में स्थापित की गई ये जेल: बता दें कि तिहाड़ जेल को साल 1958 स्थापित किया गया था। यह भारत के सबसे बड़े जेल परिसरों में से एक है। यह 400 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला हुई जेल है। इसमें नौ केंद्रीय कारागार हैं।

अभी तिहाड़ जेल पश्चिम दिल्ली के

जनकपुरी इलाके में बनी है। यह दिल्ली सरकार के कारागार विभाग द्वारा संचालित होती है।यहां लगभग 20,000 से ज्यादा कैदी रखे जा सकते हैं। हालांकि, कई बार यहां इससे ज्यादा कैदी भी रहते हैं।

साल 2013 में संसद हमले के दोषी अफजल गुरु को तिहाड़ जेल में फांसी दी गई थी। इंदिरा गांधी की हत्या के दोषी सतवंत सिंह और केहर सिंह भी तिहाड़ जेल में बंद किए गए थे। बाद में इन्हें 6 जनवरी, 1989 को तिहाड़ जेल में फांसी दी गई थी।

अब केवल इस रीजनल भाषा में गाड़ियों पर लिखे जाएंगे सामाजिक संदेश

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने मराठी भाषा को लेकर बड़ा फैसला लिया है। अब से सभी व्यवसायिक (कमर्शियल) गाड़ियों के ऊपर लिखे गए सामाजिक संदेश मराठी भाषा में लिखने होंगे। सरकार की ओर से कहा गया कि आने वाले गुढ़ी पड़वा (30 मार्च, 2025) से इस नियम का पालन करना होगा। महाराष्ट्र में अब सभी कमर्शियल गाड़ियों (ट्रक, बस, रिक्शा) पर मराठी भाषा में सामाजिक संदेश लिखना अनिवार्य कर दिया गया है। ये संदेश शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य जागरूकता जैसे विषयों पर आधारित होंगे। इनमें %बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ% और %एक कदम स्वच्छता की ओर% जैसे संदेश गाड़ियों पर दिखाई देंगे। सरकार का कहना है कि इससे सामाजिक जागरूकता बढ़ेगी। मराठी भाषा के प्रति लोगों की जागरुकता भी बढ़ेगी।

दूसरी राष्ट्रीय डेफ शूटिंग चैंपियनशिप 2025 अहमदाबाद में

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राष्ट्रीय डेफ शूटिंग, टेबल टेनिस और टेनिस चैम्पियनशिप 2025 का आयोजन अहमदाबाद (गुजरात) में किया गया। अहमदाबाद में आयोजित इस प्रतियोगिता में आज म.प्र. राज्य शूटिंग अकादमी भोपाल के खिलाड़ी कुशाग्र सिंह राजावत ने शानदार खेल प्रदर्शन कर 01 स्वर्ण और 01 रजत सहित 02 पदक अर्जित किये। अहमदाबाद (गुजरात) में हो रही राष्ट्रीय डेफ शूटिंग चैम्पियनशिप में खेल अकादमी के खिलाड़ी ने शूटिंग (रायफल) ने 50मी. रायफल प्रोजीशन स्पर्धा में उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करते हुये स्वर्ण एवं 50मी. रायफल प्रोन में 01 रजत पदक सहित कुल 02 पदक अपने नाम किया। उल्लेखनीय है कि शूटिंग खिलाड़ी कुशाग्र सिंह राजावत शूटिंग अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक श्री जोयदीप कर्माकर और सहा. प्रशिक्षक श्री वैभव शर्मा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षणरत है। इसी चैम्पियनशिप में खेल अकादमी की बैडमिंटन खिलाड़ी कु. गौरांशी शर्मा ने बैडमिंटन के सिंगल इवेन्ट में कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता में बैडमिंटन खेल का स्वर्ण तमिलनाडु और रजत उत्तरप्रदेश के नाम रहा। प्रतियोगिता का दूसरा कांस्य पदक पंजाब ने अर्जित किया। दूसरी राष्ट्रीय डेफ शूटिंग और बैडमिंटन चैम्पियनशिप 2025 के दोनों पदक विजेता खिलाड़ियों कुशाग्र सिंह राजावत और कु. गौरांशी शर्मा के खेल प्रदर्शन की सराहना करते हुये मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बधाई दी है।

सम्पत्ति कर, जल प्रभार एवं अन्य उपभोक्ता प्रभार में अधिभार में छूट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की अवधि में सम्पत्ति कर, जल प्रभार एवं अन्य उपभोक्ता प्रभार के अधिभार में उपभोक्ताओं को छूट देने का निर्णय लिया है। यह छूट उपभोक्ताओं को 31 मार्च 2025 तक ऑनलाइन भुगतान की दशा में की जायेगी। इस संबंध में विभाग ने नगर पालिक निगम, नगरपालिका परिषद और नगर परिषद को पत्र लिखकर निर्देश जारी किये हैं। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास ने बताया कि वर्ष 2024-25 वित्तीय वर्ष की कर वसूली 31 मार्च 2025 तक ही हो सकेगी। वर्तमान में 15वें वित्त आयोग की शर्तों के अनुसार प्रतिवर्ष सम्पत्ति कर की वसूली में राज्य की ग्रास स्टेट डॉमिस्टिक प्रोडक्ट (जीएसडीपी) की औसत वृद्धि के अनुरूप वृद्धि किया जाना अनिवार्य है। इस स्थिति को देखते हुए वृद्धि न किये जाने की स्थिति में संबंधित नगरीय निकायों को 15वें वित्त आयोग के अनुदान से वंचित होना पड़ सकता है। नगरीय निकायों को अपने क्षेत्र के उपभोक्ताओं को समस्त प्रकार के करों की वसूली नियत समय में किये जाने के लिये जागरूक करने के लिये कहा गया है। नागरिक इस संबंध में विस्तृत जानकारी अपने क्षेत्र के नगरीय निकाय के वार्ड कार्यालय से भी प्राप्त कर सकते हैं।

पुराने शहर में लोडिंग वाहन, ऑटो और 4 पहिया वाहनों पर रोक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ईद के कारण पुराने शहर के जुमेराती और चौक बाजार में लोगों की भीड़ आम दिनों से ज्यादा रहने की संभावना है। आंतरिक बाजार क्षेत्र यानी जनकपुरी, जुमेराती, छोटे भैया चौराहा, घोड़ा नक्कास चौराहा, हनुमानगंज, आजाद मार्केट में भोपाल शहर के अलावा आसपास के शहरों व देहात से भी लोग खरीदारी करने आएंगे। इसलिए भोपाल ट्रैफिक पुलिस ने बाजार और इसके आसपास के क्षेत्रों में वाहनों की आवाजाही के लिए डायवर्सन प्लान तैयार किया है। यह प्लान 24 मार्च से 30 मार्च तक लागू रहेगा। पुलिस की व्यापारियों से अपील है कि सामान की लोडिंग अनलोडिंग रात 12 बजे से सुबह 7 बजे के बीच करवाएं।

खेल के क्षेत्र में भारत का अपना समृद्ध इतिहास रहा है - मंत्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। हमारे पूर्वज खेलों का महत्व जानते थे। पुरातन काल से भारत, विविध खेल विधाओं एवं पारम्परिक खेलों से समृद्ध रहा है। सामाजिक परम्पराओं और प्रचलन में खेल का समावेश था। भारत का खेल क्षेत्र में अपना समृद्ध इतिहास रहा हैं। अतीत के विभिन्न कालखंडों में भारत ने, विश्व के विविध खेलों को भी भारतीयता के साथ समावेशित किया है। खेल के मैदान संस्कार और अनुशासन सिखाते हैं। खेल से आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित होती है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने सोमवार को भोपाल स्थित सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी में, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के तत्वाधान में आयोजित अखिल भारतीय विश्वविद्यालय रोलर स्केट्स (पुरुष एवं महिला) चैंपियनशिप 2024-25 के शुभारंभ अवसर पर कही। मंत्री श्री परमार ने देश भर से पधारे खिलाड़ियों, उनके मेंटर्स और रैफरी का राजा भोज की नगरी में अभिनंदन किया। मंत्री श्री परमार ने कहा कि राजा भोज की नगरी भोपाल की अपनी अलग वैश्विक पहचान है। राजा भोज के शासन में विभिन्न मापदंडों की स्थापना हुई थी, यहां का श्रेष्ठ जल प्रबंधन उनकी दूरदर्शिता का उत्कृष्ट उदाहरण है। मंत्री श्री परमार ने विभिन्न विधाओं की विविध विभूतियों को सम्मानित किया। साथ ही संस्थान परिसर में पौधरोपण भी किया।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि हमारा भारत, हमारे पूर्वजों के विचार ज्ञानमेव शक्ति के आधार पर विश्व में सर्वश्रेष्ठ था। भारत का ज्ञानपुंज विश्व में गुंजायमान था, इसलिए भारत विश्वगुरु की संज्ञा से सुशोभित था। भारत अपनी ज्ञान परम्परा के आधार पर विश्व मंच पर सिरमौर था। भारत के पुरातन ज्ञान को पुनः विश्व मंच पर युगानुकूल परिप्रेक्ष्य में भारतीय दृष्टिकोण के साथ, प्रस्तुत करना होगा। इसके लिए हमें हमारे पूर्वजों की गौरवशाली ज्ञान परम्परा पर गर्व का भाव जागृत कर, उनके बनाए मार्ग

पर चलने की आवश्यकता है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने प्रकृति, जल स्त्रोतों एवं सूर्य सहित समस्त ऊर्जा स्त्रोतों के संरक्षण के भाव से, शोध एवं अनुसंधान के आधार पर कृतज्ञता व्यक्त करते हुए, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ समाज में परम्परा के रूप में स्थापित की, कृतज्ञता ज्ञापित करना हमारी संस्कृति और सभ्यता है। हमारे पूर्वज सूर्य उपासक थे, प्राकृतिक ऊर्जा स्त्रोतों की उपयोगिता और महत्व को जानते थे। मंत्री श्री परमार ने कहा कि स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष2047 तक भारत, सौर ऊर्जा के माध्यम से ऊर्जा के क्षेत्र में आत्म निर्भर होकर, अन्य देशों की पूर्ति करने में समर्थ देश बनेगा। साथ ही खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्म निर्भर होकर, अन्य देशों का भरण पोषण करने में भी सामर्थ्यवान देश बनेगा। मंत्री श्री परमार ने कहा कि वसुधैव कुटुंबकम् भारत की मूल भावना रही है। विश्व कल्याण हमारा ध्येय रहा है लेकिन वैश्विक आवश्यकतानुरूप शक्ति संचय भी आवश्यक है। वर्ष 2047 के विकसित एवं विश्व गुरु भारत की संकल्पना को साकार करने में हम सभी की सहभागिता आवश्यक है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि इसके लिए हमें अपने गौरवशाली अतीत को भारतीय दृष्टि से समझना होगा। हम सभी की सहभागिता से, अपने पूर्वजों के ज्ञान के आधार पर पुनः विश्वमंच पर सिरमौर राष्ट्र का पुनर्निर्माण होगा। इसके लिए हमें स्वाभिमान के साथ हर क्षेत्र में अपने परिश्रम और तप से आगे बढ़कर, विश्व मंच पर अपनी मातृभूमि का परचम लहराना होगा। अपनी गौरवशाली सभ्यता, भाषा, इतिहास और ज्ञान के आधार पर भारत पुनः विश्व गुरु भारत बनेगा। मंत्री श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने हमें हीन भावना से मुक्त होकर स्वाभिमान को जागृत करने का अवसर दिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के भावानुरूप अब भाषाएं देश के सभी प्रांतों को एक दूसरे से जोड़ने का काम करेंगी।

सड़क के अतिक्रमण को तुरंत हटाए-राज्य मंत्री गौर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि गोविंदपुरा क्षेत्र के विकास के लिए लगातार कार्य चल रहे हैं। यह बात उन्होंने सोमवार को आनंद नगर में चल रहे कार्यों की समीक्षा बैठक में कही। बैठक में राज्य मंत्री श्रीमती गौर के समक्ष व्यापारियों ने कहा कि आनंद नगर से हथाईखेड़ा तक सीसी रोड के निर्माण के बाद दोनों तरफ नाली निर्माण के कार्य में तेजी लाई जाए और बारिश से पहले निर्माण कार्य पूरा हो जाए। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि नाली निर्माण के कार्य को शीघ्र पूरा कराया जाएगा। उन्होंने व्यापारियों से अनुरोध किया कि वह सड़क तक फैले अतिक्रमण को खुद हटा ले। इससे नाली के निर्माण में किसी भी तरह की अड़चन

खड़ी नहीं हो सकेगी। सड़क के दोनों तरफ, नाली और सड़क के बीच में पेवर ब्लॉक भी लगाए जाएंगे और उस पर पीले रंग से मार्किंग भी की जाएगी, ताकि व्यापारी पीली लाइन के आगे तक दुकान का सामान न रखें और ग्राहकों को गाड़ियां खड़ी करने में किसी तरह की असुविधा न हो। उन्होंने आनंद नगर में सड़कों पर गाड़ियां खड़ी होने से अतिक्रमण की समस्या बढ़ने पर चिंता व्यक्त की। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह व्यापारियों और रहवासियों के साथ निरीक्षण कर जो भी बाधा नाली के निर्माण में आ रही है, उसे अतिशीघ्र दूर कर जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू किया जाए। इस दौरान बैठक में श्री अनिल कुमार जैन, श्री राकेश श्रीवास्तव, श्री दिलीप चौरसिया, श्री हर्षित तिवारी, श्री अनुराग राय, श्री सुरेश चौकसे, पार्षद श्रीमती छाया ठाकुर और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी, आनंद नगर के व्यापारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

कलेक्टर सिंह की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न, विभागों को विभिन्न निर्देश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में एडीएम श्री सिद्धार्थ जैन, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का विभागवार गहन विश्लेषण कर उनके शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं के समाधान में लापरवाही बर्दाश्त

नहीं की जाएगी। इसके साथ ही आगामी 30 मार्च से प्रारंभ होने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित विभागों को अभी से योजना बनाकर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने जल संरक्षण को जन-भागीदारी से जोड़ने पर बल दिया। बैठक में नगर निगम भोपाल को शहर में पार्किंग व्यवस्था तथा हाथ ठेलों के लिए सुव्यवस्थित योजना तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने शहर में भिक्षावृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियानों की समीक्षा करते हुए ऐसे मामलों में कार्रवाई की गति बढ़ाने के भी निर्देश दिए।

श्रमिक रैन बसेरों का नाम दत्तोपंत ठेंगड़ी श्रमिक विश्राम गृह होगा-मंत्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि प्रदेश के नगर निगमों में संचालित श्रमिक विश्राम गृहों का नाम देश के सुप्रसिद्ध विचारक, चिंतक और श्रमिक नेता स्व. दत्तोपंत ठेंगड़ी के नाम पर होगा। यह निर्णय म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की 39 वीं बोर्ड बैठक में लिया गया। बैठक में मंडल के आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 का रूपये 1026 करोड़ का बजट पारित किया गया। उक्त बजट में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को चिकित्सा सहायता के लिये %निरामयम% योजना मद में रूपये 300 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसी प्रकार श्रमोदय विद्यालय संचालन मद में 60 करोड़ रूपये तथा आई.टी.आई. के संचालन के लिये रूपये 5.76 करोड़ का प्रावधान किया गया है। दूरस्थ जिला सिंगरौली में श्रमोदय आवासीय विद्यालय के निर्माण एवं संचालन का निर्णय भी लिया गया। बैठक में सदस्य श्री लोकेश विजयवर्गीय द्वारा पूर्व में अपात्र घोषित किये गये निर्माण श्रमिकों से अपील आवेदन करवाने की मांग की गई। श्रम मंत्री एवं मंडल के अध्यक्ष श्री पटेल ने पूर्व में अपात्र घोषित किये गए निर्माण श्रमिकों से एक माह अभियान चलाकर अपील संबंधी कार्यवाही करने एवं सभी जिला एवं ब्लॉक मुख्यालयों पर निर्माण मंडल द्वारा संचालित योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए बैठक में प्रमुख सचिव, श्रम श्री उमाकांत उमराव ने पौधा भेंट कर मंत्री श्री पटेल का स्वागत किया। इस अवसर पर श्रम आयुक्त श्रीमती रजनी सिंह, मंडल के सचिव श्री एस.एस. दीक्षित एवं मंडल के सदस्य श्री बनवारी लाल चौकसे सहित अन्य शासकीय/अशासकीय सदस्य उपस्थित थे।

गरीबों के राशन पर व्यापारी का डाका, 28 टन चावल पकड़ा गया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शहर में गरीबों के राशन पर एक व्यापारी द्वारा लंबे समय से डाका डाला जा रहा था। इसकी सूचना पर खाद्य विभाग ने संत हिरदाराम नगर स्थित भैंसाखेड़ी अनाज मंडी की एक दुकान पर छापा मारा। वहां से 28 टन फोर्टीफाइड चावल बरामद हुआ है। व्यापारी ने यह चावल आसपास के सरकारी राशन की दुकानों से इकट्ठा किया था। इसका इस्तेमाल वह आटे में मिलावट के लिए कर रहा था।

यह चावल संत हिरदारामनगर, गांधीनगर और आसपास की उचित मूल्य की दुकानों से लाकर मंडी में किराये से ली गई दुकान में जमा किया जा रहा था। पूछताछ में पता चला कि चावल की कालाबाजारी फाटक रोड के अनाज व्यापारी गौरव आसवानी पिता वासुदेव आसवानी के द्वारा की जा रही थी। यह होता है फोर्टीफाइड चावल फोर्टीफाईड चावल साधारण चावल के जैसा ही होता है लेकिन इसमें पोषक तत्वों को कृत्रिम तरीकों से बढ़ाया जाता है इसमें आयरन ,फोलिक एसिड ,विटामिन बी एक, दो, जिंक आदि आवश्यक पोषक तत्वों को मिलाया जाता है जिससे यह लेब टेस्ट में आसानी से पकड़ आ जाता है।

भोपाल में विश्व क्षय दिवस पर जागरूकता और स्क्रीनिंग शिविर आयोजित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। क्षय रोग जागरूकता के लिए आज पूरे भोपाल में कई स्थानों पर विश्व क्षय दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भोपाल जिले की समस्त शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर टीबी एवं असंचारी रोगों की स्क्रीनिंग के लिए विशेष शिविर लगाए गए ।टीबी जागरूकता रैलियों, रंगोली, पोस्टर प्रतियोगिता, हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से टीबी के लक्षणों बचाव और उपचार के बारे में जानकारी दी गई। विश्व क्षय दिवस पर सोमवार को गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल क्षेत्र में श्रमिकों,उनके परिजनों एवं स्थानीय नागरिकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम एवं स्क्रीनिंग कैंप लगाया। जिसमें टीबी चैंपियन्स ने अपने अनुभव साझा किए। क्षय उन्मूलन कार्यक्रम में उल्लेखनीय कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र, टीबी उन्मूलन शपथ एवं फूड बास्केट वितरण किया गया। कार्यक्रम में सी एम एच ओ भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी द्वारा टी बी उन्मूलन में किए जा रहे प्रयासों और टी बी मुक्त पंचायतों की जानकारी दी गई। शिविर में 218 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चलित मोबाइल आई टेस्टिंग यूनिट से 150 लोगों की आंखों की जांच की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने कहा कि क्षय उन्मूलन के लिए लक्षणों की सही समय पर पहचान कर स्वास्थ्य केंद्र में जांच करवाना बेहद जरूरी है। भोपाल की 17 ग्राम पंचायत को पिछले साल टीबी मुक्त किया जा चुका है। इस साल 77 और ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त घोषित की जा रही है। टीबी मरीजों को उपचार अवधि में 1000 रुपए प्रतिमाह की आर्थिक सहायता भी दी जा रही है। भोपाल जिले में नोटिफिकेशन, निक्षय मित्र चिन्हांकन एवं निक्षय पोषण योजना का विस्तारीकरण, एपिडेमियोलॉजिकल इंटरवेंशन, निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ सपोर्ट सिस्टम, निक्षय पोर्टल प्रविष्टि इत्यादि की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है।

टीबी उन्मूलन हेतु मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा 100 दिवसीय निक्षय अभियान की शुरुआत की गई है। उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल की अगुवाई में टीबी उन्मूलन के प्रयासों को और तेज गति से क्रियान्वित किया जा रहा है। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम में भोपाल जिले द्वारा उल्लेखनीय कार्य करते हुए प्रदेश में सर्वाधिक मरीजों को चिह्नित किया गया है। साल 2024 में भोपाल में कुल 13336 मरीजों को चिह्नित कर उपचार दिया गया है । स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी संभावित क्षेत्रों की पहचान कर स्क्रीनिंग करवाई गई है । टीबी के मरीजों को चिह्नांकित करने के लिए, वृद्धाश्रमों, रैन बसेरों, सेंट्रल जेल, औद्योगिक इकाइयों, मेलों, पुलिस विभाग, नगर निगम के सफाई मित्रों, हॉस्टल्स, निर्माणधीन भवनों में स्क्रीनिंग कैंप लगाए जा रहे हैं। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, मेलों, बाजारों में सघन जागरूकता गतिविधियां भी निरन्तर जारी हैं।

भोपाल जिले में निरोगी काया अभियान निरंतर जारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। असंचारी रोगों की स्क्रीनिंग के लिए संचालित निरोगी काया अभियान के तहत मंत्रालय में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया। निरोगी काया अभियान 20 फरवरी से 31 मार्च तक चलाया जा रहा है। शिविर के पहले दिन 240 अधिकारियों कर्मचारियों ने स्वास्थ्य परीक्षण करवाया। शिविर में फाइब्रोस्कैन मशीन द्वारा लीवर जांच की गई। शिविर का आयोजन आज भी किया जाएगा। मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन श्रीमती सलोनी सिडाना की पहल पर ये शिविर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा आयोजित किया गया।

सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे के निर्देशन में आयोजित शिविर में अपर सचिव श्रीमती शैलबाला मार्टिन, अवर सचिव श्री मनोज श्रीवास्तव एवं श्री धुर्वे द्वारा विशेष सहयोग दिया गया। मंत्रालयीन कर्मचारी संघ के श्री सुधीर नायक एवं सभी पदाधिकारियों ने बड़ी संख्या में कर्मचारियों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

शिविर में फाइब्रोस्कैन मशीन द्वारा 112 लोगों की लीवर जांच की गई। असंचारी रोगों के लिए 240 लोगों की स्क्रीनिंग की गई है। इनमें 63 महिलाओं एवं 177 पुरुषों की जांच की गई है। पैथोलॉजी जांच के लिए 180 लोगों के सैंपल लिए गए हैं। 50 लोगों की मुख रोग जांच की गई, जिनमें कोई समस्या नहीं मिली है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि असंचारी रोगों की स्क्रीनिंग के लिए चलाए जा रहे निरोगी काया अभियान में ब्लड प्रेशर, डायबिटीज ,स्तन कैंसर, मुंह के कैंसर, सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग की जा रही है। अभियान के तहत भोपाल में अब तक डेढ़ लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग हो चुकी है। हाइपरटेंशन के 12 हजार से अधिक एवं 13 हजार से अधिक डायबिटीज मरीज इस अभियान के दौरान मिले हैं। 11 हजार से अधिक लोगों में लीवर संबंधी समस्याओं के प्रारंभिक लक्षण मिले हैं।

गेहूं खरीदी से बाहर रह गए महिला स्वसहायता समूह, उज्जैन सहित 46 जिलों में नहीं मिला काम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य सरकार बार-बार कह रही है कि मप्र में गेहूं खरीदी का काम महिला स्वसहायता समूहों को दिया जाए। प्रदेश में 15 मार्च से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का काम शुरू हो गया, लेकिन उज्जैन समेत 46 जिले ऐसे हैं, जहां किसी भी महिला स्वसहायता समूह को काम नहीं मिला है। उज्जैन के महालक्ष्मी समूह उज्जैनिया, राधाकृष्ण सलामता समूह घट्टिया, महिदपुर खेड़ा खजुरिया की महिला स्वसहायता समूह, स्वास्तिक समूह तारोद, भारतमाता समूह कला पिपलिया और अंजली सहायता समूह नरेलाकला समेत अन्य ने काम नहीं मिलने की शिकायत कलेक्टर, सीओ के साथ भोपाल में खाद्य विभाग से कर दी है।

समूह की महिलाओं ने बताया ?कि पिछले साल उनके समूह ने काफी खरीदी की थी। इस बार हम्माल और मजदूरों को एडवांस पैसा दे दिया गया है, लेकिन खरीदी का काम नहीं मिला। महिलाओं ने कहा कि उज्जैन के साथ इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर की भी यही स्थिति है। कहीं भी महिलाओं को काम नहीं मिला है।

जिन जिलों में काम मिला है, उसमें भोपाल में 17 महिला एसएचजी, सीहोर में 12, शाजापुर में 8, देवास में 9, राजगढ़ में 4, बैतूल में 9, हरदा में 3, आगर-मालवा में 12 और अशोक नगर में 2 महिला समूहों को खरीदी का काम मिला है। प्रदेश में 3222 खरीदी केंद्र खुल गए हैं। उज्जैन में 30 हजार टन गेहूं खरीदी हो चुकी है। उपार्जन नीति में यह कहा गया है कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना है। इसके लिए समूहों को पंजीयन प्रमाण-पत्र, बैंक खाते में कम से कम 2 लाख रुपए, विगत 6 माह के बचत खाते का बैंक स्टेटमेंट, 3 माह की बैठकों का कार्यवाही विवरण और आवश्यक राशि की उपलब्धता का प्रमाण सहित अन्य जरूरी दस्तावेज देने होंगे।

अंगदान करने वालों के परिवार को आयुष्मान भारत योजना का लाभ देगी मध्य प्रदेश सरकार

भोपाल। अंगदानियों को अंतिम संस्कार के समय गार्ड आफ आनर देने का निर्णय लेने के बाद मध्य प्रदेश सरकार उनके स्वजन को एक और बड़ी सुविधा देने जा रही है। उन्हें आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिया जाएगा, जिसमें प्रति परिवार वर्ष में पांच लाख रुपये तक निश्शुल्क उपचार की सुविधा रहेगी। इसमें आय सीमा का कोई बंधन नहीं रहेगा। इसके प्रचार-प्रसार व जागरूकता के लिए 18 लाख रुपये से डाक्यूमेंट्री बनवाई जा रही है। ब्रेन डेड रोगियों के अंगदान के लिए स्वजन को प्रोत्साहित करने को प्रदेश सरकार यह कदम उठाने जा रही है। इसके अलावा स्टेट आर्गन एवं टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गनाइजेशन एक पोर्टल भी तैयार कर रहा है, जिसमें अंगदान करने वाले और जरूरतमंद दोनों पंजीयन करा सकेंगे। पोर्टल में अंगदान के नियम प्रक्रिया की भी जानकारी दी जाएगी। बता दें कि नेशनल आर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गेनाइजेशन की वर्ष 2023 में अंगदान की रिपोर्ट के अनुसार अंगदान के मामले में तमिलनाडु देश में अव्वल है।

दो बसों में आग लगी, जिंदा जला क्लीनर

स्टैंड पर बस में ड्राइवर-कंडक्टर के साथ सो रहा था, बाहर नहीं निकल पाया

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली बस स्टेंड पर खड़ी दो बसों में आग लग गई। इनमें से एक बस में सो रहे क्लीनर की जिंदा जलकर मौत हो गई।

हादसा सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब 12 बजे हुआ। ट्रैफिक थाना प्रभारी दीपेंद्र सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाया लेकिन तब तक दोनों बसें पूरी तरह जल चुकी थीं।

आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ड्राइवर-कंडक्टर बाहर आए, क्लीनर फंस गया: पुलिस के मुताबिक, सिंगरौली अंतरराज्यीय बस स्टैंड पर विजय ट्रैवल्स की बस नंबर सीजी 33 ई 0813 और सिद्दीकी बस सर्विस की बस नंबर एमपी 17 पी 1277 आसपास खड़ी थीं। विजय ट्रैवल्स की बस में अचानक आग लगी, जिसने सिद्दीकी बस को भी चपेट में ले लिया।

हादसे के वक्त विजय ट्रैवल्स की बस में ड्राइवर जाहिद खान, कंडक्टर काशी पटेल और क्लीनर हरीश पनिका सो रहे थे। कंडक्टर काशी बस में आगे, ड्राइवर जाहिद पीछे और क्लीनर हरीश बस के बीच वाली सीट पर सो रहे थे। रात करीब 12 बजे काशी की आंख खुली तो उसने बस में आग लगी देखी। वह घबराकर उठा और बाहर निकलने के लिए आवाज लगाई।

काशी आगे वाले गेट से जबकि जाहिद पीछे वाले गेट से बाहर आ गए लेकिन हरीश नहीं निकल पाया। आग इतनी तेजी से फैली कि उसे बचने का समय नहीं मिला। वह जिंदा जल गया।

शराब पार्टी के बाद तीनों बस में ही सो गए: विजय ट्रैवल्स की जो बस हादसे का शिकार हुई, वह बैढ़न से छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर के लिए चलती थी। रात करीब 9 बजे अंबिकापुर से चलकर बैढ़न आई थी। बस स्टैंड पर मौजूद लोगों ने बताया कि घटना के पहले जाहिद, काशी और हरीश ने मिलकर शराब पी थी। हरीश ने बस को धोया, फिर करीब 11 बजे तीनों खाना खाकर सो गए।

हरीश पनिका (24) छत्तीसगढ़ में बलरामपुर के वाड्रफ नगर का रहने वाला था। साल 2023 में उसकी शादी हुई है। कोई संतान नहीं है।

बस पलटी, तीन लोग घायल

कमानी पट्टा टूटने से हादसा, हत्था से बाघड़ की ओर जा रही थी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में एक बड़ा बस हादसा होते-होते बच गया। रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र के बाघड़ गांव में बस (नंबर एमपी 53 पी 0711) बेकाबू होकर पलट गई। बस में 18 से अधिक यात्री सवार थे। घटना मंगलवार दोपहर 2 बजे की है।

बस हत्था से भंवर सेन होते हुए बाघड़ की ओर जा रही थी। रास्ते में अचानक बस का कमानी पट्टा टूट गया। इससे चालक का वाहन पर नियंत्रण खत्म हो गया। बस सड़क से नीचे गिरकर पलट गई। हादसे में बस एक बार पूरी तरह घूम गई।

तीन लोगों को आईं चोटें: सूचना मिलते ही रामपुर नैकिन पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को तुरंत उप स्वास्थ्य केंद्र, रामपुर नैकिन ले जाया गया। थाना प्रभारी सुधांशु तिवारी के अनुसार तीन यात्रियों को मामूली चोटें आईं। उनका इलाज कर घर भेज दिया गया।

प्रारंभिक जांच में चालक ने बताया कि बस का पट्टा टूटने से हादसा हुआ। बावजूद इसके किसी को गंभीर चोट नहीं आई। सभी यात्री सुरक्षित हैं।

शहडोल में युवक ने लगाई घर में आग

रिश्तेदारी में गया था परिवार, पड़ोसियों ने की आरोपी को पकड़ने की कोशिश

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल के अमलाई थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 9 रेलवे कॉलोनी में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। युवक संतोष केवट ने भारती पनिका के घर में आग लगा दी। घटना के समय भारती का परिवार धनपुरी में रिश्तेदारी में गया हुआ था। आग लगने का कारण पता नहीं चल पाया है।

रात के समय आरोपी ने घर में आग लगाई। पड़ोसियों ने उसे भागते हुए देखा। उन्होंने पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत दमकल विभाग और पुलिस को सूचना दी। आग बुझाने के प्रयास के बावजूद घर में रखा सारा सामान जल गया।

थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा ने बताया कि घर में रखा लगभग 2 लाख रुपए का सामान जलकर राख हो गया। पुलिस ने आरोपी संतोष केवट के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आग लगाने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पीड़िता भारती पनिका ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने जांच तेज कर दी है। आरोपी की तलाश जारी है।

बिजली बिल नहीं भरा तो जब्त हुई बाइक

विद्युत कंपनी ने की कुर्की कार्रवाई, 44 हजार रुपए था बकाया

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना में विद्युत वितरण कंपनी ने बकायादार उपभोक्ताओं पर सख्त कार्रवाई की है। मार्च क्लोजिंग के दौरान मंगलवार को एक उपभोक्ता की बाइक जब्त की गई। उस पर 44 हजार रुपए का बिजली बिल बकाया था।

विद्युत वितरण कंपनी के जूनियर इंजीनियर राहुल विरला ने बताया कि कंपनी को मार्च में 1 करोड़ 96 लाख रुपए की वसूली का लक्ष्य मिला है। बार-बार नोटिस देने के बाद भी बिल जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं पर यह कार्रवाई की गई है।

कंपनी ने कई अन्य बकायादार उपभोक्ताओं से नगद राशि भी जमा करवाई है। विरला ने कहा कि बकायादारों के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे समय पर बिजली बिल का भुगतान करें। इससे कुर्की जैसी कार्रवाई से बचा जा सकेगा।

आरएसएस के स्कूल में तोड़फोड़, दस्तावेज जलाए

शहडोल के सरस्वती शिशु मंदिर में भारत माता, पूर्व राष्ट्रपति की तस्वीरें फेंकी

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल के सरस्वती शिशु मंदिर में अज्ञात बदमाशों ने तोड़फोड़ कर दी। दरवाजे तोड़े। रजिस्टर को जला दिया। भारत माता, अखंड भारत, सरस्वती देवी, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम और डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीरें नीचे फेंक दी। पंखों समेत दूसरे सामान को भी नुकसान पहुंचाया।

मामला ब्यौहारी के अखेटपुर में सोमवार रात का है। सरस्वती शिशु मंदिर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के आनुषांगिक संगठन विद्या भारती का हिस्सा है।

थाना प्रभारी अरुण पांडे ने बताया कि प्राचार्य की शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। स्कूल में सीसीटीवी कैमरे नहीं होने के कारण मदद नहीं मिल पा रही है।

4 कमरों में तोड़फोड़, दस्तावेज जलाए: प्राचार्य शिवकुमार पटेल ने कहा- 1993 से संचालित स्कूल में कुल 13 टीचर हैं। नर्सरी से कक्षा 12वीं तक 280 स्टूडेंट पढ़ रहे हैं। स्कूल के चार कमरों में तोड़फोड़ की गई है। पूजन सामग्री बिखेर दी गई है। म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट तोड़े हैं।

पंखों के अलावा दो शौचालयों के दरवाजे तोड़े हैं। अज्ञात बदमाशों ने कुछ दस्तावेज भी जलाए हैं। करीब 30 हजार का नुकसान हुआ है। स्कूल की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मकसद समझ से परे है।

ग्रामीणों ने भी वारदात पर आक्रोश जताया है। उन्होंने कहा- विद्यालय हमारी सांस्कृतिक और सामाजिक धरोहर हैं। ऐसी घटनाएं शिक्षा के माहौल को खराब करती हैं। इससे बच्चों के भविष्य पर भी असर पड़ता है।

खेतों के रास्ते पर अवैध कब्जा, गिरधौरी गांव के दो दर्जन किसानों ने कलेक्टर से लगाई गुहार

छतरपुर। छतरपुर जिले की लवकुशनगर तहसील स्थित गांव गिरधौरी में खेतों तक जाने के एकमात्र रास्ते पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। इससे दो दर्जन से अधिक किसान परेशान हैं और खेतों तक पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना कर रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, रामकिशोर दीक्षित नाम के व्यक्ति ने गांव से खेतों तक जाने वाले सार्वजनिक रास्ते पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। यहां जबरन मकान का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे किसानों को खेतों तक जाने में मुश्किल हो रही है। स्थानीय किसान रामप्रसाद कुशवाहा ने बताया कि यह रास्ता कई दशकों से ग्रामीणों के आवागमन के लिए उपयोग किया जाता रहा है। ग्रामीणों ने इस मामले में स्थानीय अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। प्रशासन की उदासीनता से नाराज होकर मंगलवार को दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन सौंपा।

सड़क हादसे में एमएससी छात्र की मौत

तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी को मारी टक्कर, घटनास्थल पर ही दम तोड़ा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में मंगलवार सुबह सड़क हादसे में एमएससी के छात्र की मौत हो गई। यह हादसा मातगुवां थाना क्षेत्र के चौका के पास चिरावल तिहारी में हुआ।

मृतक की पहचान दीपक रैकवार (26) के रूप में हुई है। वह बिजावर का रहने वाला था और वर्तमान में छतरपुर के राधिका गार्डन के पास रह रहा था। दीपक श्री कृष्ण यूनिवर्सिटी में एमएससी प्रथम वर्ष का छात्र था।

ट्रक के टक्कर में हुई मौत: दीपक के दोस्त शिवेश वर्मा ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 11 बजे दीपक अपनी स्कूटी से कॉलेज जा रहा था। इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से उसकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दीपक की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने ट्रक जब्त किया: पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ट्रक को जब्त कर लिया है। मृतक का पोस्टमॉर्टम जिला अस्पताल में कराया जा रहा है। मातगुवां थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रेमिका को परेशान करने पर दो लोगों की हत्या

नाबालिग सहित 2 आरोपी गिरफ्तार, मृतक छत्तीसगढ़ के रहने वाले

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर पुलिस ने मंगलवार को दोहरे हत्याकांड का खुलासा किया है। प्रेमिका को परेशान करने के विवाद में एक युवक ने अपने नाबालिग साथी के साथ मिलकर दो लोगों की हत्या एक दिन पहले सोमवार को की थी।

सोमवार सुबह 6 बजे पहला शव बरबसपुर से भोलगढ़ जाने वाले जंगल के रास्ते पर मिला। महुआ बीनने गए आशीष पाठक ने खून से सने शव को देखकर पुलिस को सूचना दी। मृतक रावेंद्र खांडे(23) छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के धौराभाट खुर्द का रहने वाला था।

इसी दिन चचाई थाना क्षेत्र के विजय ग्राउंड के पास जंगल में एक और शव मिला। जो रावेंद्र के साथी संजीत जांगड़े का था। ये छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के लखनपुर का रहने वाला था।

सीसीटीवी से आरोपियों तक पहुंची पुलिस: पुलिस मृतक रावेन्द्र खाण्डे के मोबाइल नम्बर और रेल्वे स्टेशन, बस स्टैण्ड और नगर में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मुख्य आरोपी अश्वनी कोल तक पहुंची।

प्रेमिका को परेशान करने पर युवक की हत्या: आरोपी अश्वनी कोल विवेकनगर चचाई में रहता है और बिलासपुर के भार्गव अस्पताल में काम करने वाली कविता कोल से पिछले दो सालों से प्रेम संबंध चल रहा है। दोनों की पहचान एक रिश्तेदार के शादी में हुई थी। जो उसी भार्गव हास्पिटल बिलासपुर में रिसेप्शन पर काम करने वाले रावेन्द्र खाण्डे पिछले कुछ महीनों से कविता कोल को दोस्ती और प्रेम संबंधों का प्रस्ताव दे रहा था। जिसकी शिकायत कविता कोल ने अपने प्रेमी अश्वनी कोल से की। इससे अश्वनी कोल ने रावेन्द्र खाण्डे को रास्ते से हटाने की योजना बनाई और मोबाइल पर सम्पर्क कर रावेन्द्र को सोमवार शाम बिलासपुर से अनूपपुर बुलाया, जो अपने साथ संजीत जांगड़े को लेकर शाम करीब 06.30 बजे रेल्वे स्टेशन अनूपपुर पहुंचा।

जहां अश्वनी कोल अपने नाबालिग साथी के साथ बाइक से रेलवे स्टेशन पहुंचा। दोनों को साथ में अनूपपुर नगर में घुमाते हुए बरबसपुर से भोलगढ वाले कच्ची पगडण्डा रास्ते पर ले जाकर रावेन्द्र खाण्डे की फर्नीचर के काम में प्रयुक्त होने वाले हथियार से हत्या की। साथी संजीत जांगड़े ने बचाने का प्रयास किया, तो उसे भी धमका कर अपने साथ बाइक से लेकर विवेक नगर चचाई में विजय ग्राउंड के सामने सुनसान बांस के जंगल में ले जाया गया। यहां आरोपियों ने संजीत को भी मार डाला।

हत्या करने वाले निकले चचेरे भाई

छतरपुर। सागर जिले के दलपतपुर गांव में हुए हत्याकांड का छतरपुर पुलिस ने खुलासा कर दिया है। आरोपियों ने चचेरे भाई की हत्या के बाद उसके शव को ट्रक में लादकर गुलगंज थाना क्षेत्र की मगडार नदी के पुल से नीचे फेंका गया था। गुलगंज थाना प्रभारी गुरुदत्त शेषा ने बताया कि 21 मार्च को चौपरिया मंदिर के पास मगडार नदी पुल के नीचे एक युवक का शव बरामद हुआ था। उसके सिर और शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे।

4 भतीजों ने चाचा पर कुल्हाड़ी-डंडों से हमला किया

पानी भरने को लेकर हुआ विवाद, सिर में आई गंभीर चोट

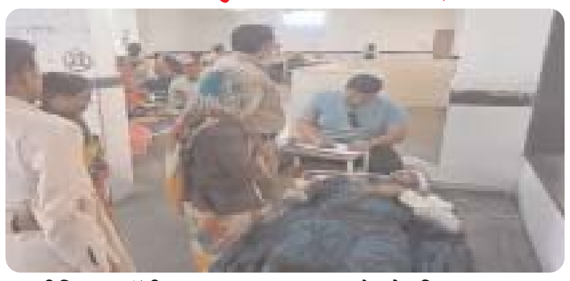

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के गढ़ा गांव में मंगलवार सुबह पानी भरने को लेकर हुए विवाद में चार भतीजों ने अपने चाचा को कुल्हाड़ी और लाठी-डंडों से बुरी तरह पीट दिया।

घटना सुबह 7 बजे की है। 40 वर्षीय भगन्ता रजक अपनी पत्नी सुमन के साथ घर के पास स्थित कुएं से पीने का पानी भरने गए थे। जैसे ही उन्होंने पंप चलाया, उनके बड़े भाई के चारों बेटे फुफलेश, दालु, काशीराम और देशु रजक वहां पहुंच गए।

पीड़ित को प्राइवेट गाड़ी से पहुंचाया अस्पताल: भतीजों ने पानी भरने को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी। भगन्ता के मना करने पर चारों ने मिलकर उन पर कुल्हाड़ी और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में भगन्ता के सिर, हाथ-पैर में गंभीर चोट आई है। वो घटनास्थल पर ही बेहोश हो गए। परिजन उन्हें तुरंत प्राइवेट गाड़ी से जिला अस्पताल ले गए।

खड़े होकर देखता रहा बड़ा भाई: पीड़ित ने बताया कि हमले के दौरान उनका बड़ा भाई रमेश रजक मौके पर मौजूद था, लेकिन वो खड़े होकर सिर्फ देखता रहा। गुलगंज थाना प्रभारी गुरु दत्त शेष ने बताया कि मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम को अस्पताल भेजा गया है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कबाड़ से जुगाड़ मे कम होगा प्रदूषण बोझ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हम अपने घर के अंदर पड़े कबाड़ को बेकार समझकर यूं ही फेंक देते हैं, लेकिन कबाड़ से जुगाड़ करके बेकार पड़ी हुई वस्तुओं से कई कलाकृति व साज-सज्जा के सामान व दैनिक उपयोग में आने वाले सामान तैयार किए जा सकते हैं। ऐसा ही कुछ शास कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रीवा की छात्राएँ इफको भोपाल के प्रयोजन में एवं क्लब के संयोजन मे चल रहे विभिन्न पर्यावरणीय कार्यक्रमों मे जीवन कार्य शैली पर आधारित प्रदर्शनी मे प्रस्तुत किया। प्रदर्शनी के साथ एप्को द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के प्रतिभागियों, विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रही जनभागीदारी अध्यक्ष प्रज्ञा त्रिपाठी ने कहा कि कबाड़ से जुगाड़ बेकार की वस्तुओं को से उपयोगी वस्तुएं बनाने की एक प्रक्रिया है। कबाड़ से जुगाड़ ना केवल हमारे पर्यावरण के संरक्षण के लिए बहुत सहायक है बल्कि यह अनुपयोगी वस्तुओं के निपटान का भी एक सटीक उपाय है।

अध्यक्षता कर रही प्राचार्य डॉ मेजर विभा श्रीवास्तव ने अपने छात्रों छात्रों की उपलब्धियों का बखान करते हुए कहा की कबाड़ से जुगाड़ के माध्यम से हम ऐसी अनुपयोगी वस्तुओं को फेंकने की जगह उनसे कुछ उपयोगी वस्तुएं बना सकते हैं। इससे ना केवल हमारी अनुपयोगी वस्तुओं को कचरे आदि में फेंकने से प्रदूषण जैसी समस्याओं से मुक्ति मिलेगी बल्कि उन अनुपयोगी वस्तुओं को किसी उपयोगी उत्पाद में भी बदला जा सकेगा। पर्यावरण संरक्षण एवं सतत जीवन कार्यशैली पर आधारित कार्यशाला, प्राकृतिक भ्रमण, पर्यावरण ज्ञान प्रतियोगिता, प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे विभिन्न विभागों के छात्राओं ने विभिन्न हस्त शिल्प, बैग, श्रृंगार के सामान, सौंदर्यगत सामान, दैनिक जीवन मे उपयोगी सामान का अपने हाथों से बनाकर प्रस्तुत किया। छात्राओं मे आँचल नामदेव, स्वेता मिश्रा, आस्था मिश्रा, विंध्या चतुर्वेदी, शिवानी भारती ने प्रदर्शनी मे भाग लिया। मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप मे डॉ महेंद्र मणि द्विवेदी, डॉ अर्चना गुप्ता, डॉ सरोज गोस्वामी, डॉ अनुराधा श्रीवास्तव रही।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ राहुल रूपेश द्विवेदी, डॉ अनुपमा मिश्रा, डॉ अनुराधा मिश्रा, डॉ पुष्पा तिवारी, डॉ रचना श्रीवास्तव, डॉ ज्योती सिंह, डॉ संजल पटेल, डॉ सीमा गौतम, डॉ कीर्ति गौतम, डॉ गीता सिंह, डॉ डी पी दुबे शिवम् त्रिपाठी, सहित 200 छात्राएं उपस्थित रहीं सभी इको क्लब सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ उमेश मिश्र लखन द्वारा किया गया कार्यक्रम का संपूर्ण प्रबंधन डॉ करुणा शंकर मिश्र ने किया एवं आभार प्रदर्शन इको क्लब प्रभारी डॉ इला तिवारी प्राध्यापक राजनीति विभाग ने किया।

बोर्ड परीक्षा समाप्त, जिले में शांति पूर्वक आयोजित हुई परीक्षा

जिले में बनाए गए थे 66 परीक्षा केंद्र, परीक्षा में पहली बार कोई नकल प्रकरण दर्ज नहीं हुआ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा दसवीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा 25 फरवरी से प्रारंभ हुई और 25 मार्च को कक्षा 12 वी के गणित विषय के साथ समाप्त हुई। कक्षा 12वीं के गणित विषय में दर्ज 982 परीक्षार्थियों में से 977 विद्यार्थी उपस्थित रहे 5 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे।

कलेक्टर स्वरोचित सोमवंशी ने गठित किये थे 16 पैनल दल: कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा परीक्षा की सुचिता बनाये रखने के लिए 16 पैनल दल गठित किया गया था। 20 संवेदनशील केंद्र में जिला अधिकारियों की ड्यूटी अलग से लगाई गई थी। पैनल दल द्वारा समस्त 66 परीक्षा केंद्रों का भ्रमण किया गया। सभी एसडीएम अपने क्षेत्र में सतत भ्रमण करते रहे। जिला शिक्षा अधिकारी श्री पवन सिंह ने बताया कि कलेक्टर महोदय के निर्देशन और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अंशुमन राज के मार्गदर्शन में बोर्ड परीक्षा सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई। पुलिस प्रशासन द्वारा सभी 66 केंद्रों में सुरक्षा प्रदान की गई।

जिला शिक्षा अधिकारी ने कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और सीईओ जिला पंचायत के प्रति आभार व्यक्त किया है। परीक्षा कार्य से जुड़े समस्त केंद्र अध्यक्ष, सहायक केंद्र अध्यक्ष, कलेक्टर प्रतिनिधि, शिक्षकों को भी बोर्ड के निर्देशानुसार परीक्षा संचालित कराए जाने हेतु जिला शिक्षा अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया है। कंट्रोल रूम प्रभारी रामकृष्ण तिवारी, एमआईएस प्रशासक विजय सिंह परीक्षा प्रभारी लाल बहादुर सिंह, परीक्षा कंट्रोल रूम में जुड़े समस्त शिक्षकों के सहयोग के लिए जिला शिक्षा अधिकारी ने बहुत-बहुत आभार एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला- रीवा (म.प्र.)

//निविदा सूचना //

क्रमांक-535/ई-टेंडर/न.पा.नि./2025 — रीवा, दिनांक 24.03.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रर्यकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक एवं जारी दिनांक तथा NIT क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	2025_UAD_411640_1 24.03.2025 [FIRST CALL] 532/24.03.2025	जोन क्रमांक-01 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-04 में श्री साधू प्रसाद साहू के घर से पार्क तक एवं गुप्ता जी के प्लाट से PWD मेन रोड तक शारदा नगर में RCC नाली निर्माण का कार्य।	03 माह ₹18.13 लाख	₹2000.00 ₹13598.00	25/04/2025 18:00 बजें तक।
2.	2025_UAD_411641_1 24.03.2025 [FIRST CALL] 533/24.03.2025	जोन क्रमांक-01 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-04 में श्री अशोक त्रिपाठी के घर से श्री पुष्पेन्द्र गौतम के घर तक नई बस्ती पड़ा में RCC नाली एवं सड़क निर्माण का कार्य।	04 माह ₹40.81 लाख	₹5000.00 ₹30608.00	25/04/2025 18:00 बजें तक।
3.	2025_UAD_411642_1 24.03.2025 [FIRST CALL] 534/24.03.2025	जोन क्रमांक-03 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-15 में रतहरा तालाब के सामने आचार्य नगर में श्रीमती मुन्नी बाई पटेल के घर से श्री के.के. त्रिपाठी, श्री राहुल मिश्रा के घर होते हुए श्री उमेश मिश्रा के घर तक RCC नाली निर्माण का कार्य।	03 माह ₹24.66 लाख	₹5000.00 ₹18495.00	25/04/2025 18:00 बजें तक।

नोट: - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (जोन क्र. 01,03)
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

विचार

यमन के लड़ाके इतनी जल्दी हार नहीं मानेंगे

राष्ट्रपति ट्रम्प, जिन्होंने युद्ध समाप्त करने और कभी युद्ध शुरू न करने का वादा किया था, यमन पर बमबारी करने के लिए 8,000 मील की यात्रा कर चुके हैं। अगर वे ऐसा करते रहे तो यमन भी वियतनाम और अफगानिस्तान बन जाएगा। कई मायनों में वे एक जैसे देश हैं, जहां दृढ़ निश्चयी लड़ाके रहते हैं। चूंकि राष्ट्रपति और उनकी टीम को इसके इतिहास, समाजशास्त्र और स्थलाकृति के बारे में कुछ भी नहीं पता है, इसलिए यहां मेरी यात्राओं से एक संक्षिप्त नोट है। 8,500 फीट की ऊंचाई पर, यमन की राजधानी सना का पुराना शहर, आराम की जादुई हवा देता है। इसकी गलियों की भूलभुलैया, बहुमंजिला मिट्टी और ईंट की हवेलियां, बेहतरीन मोजेक से सजी हुई हैं। लेकिन सना की शांति संघर्ष के तूफानी बादलों को छिपाती है जो अफगानिस्तान की तरह ही जटिल और नाटकीय है। यमन के संघर्ष हमारे टी.वी. स्क्रीन पर क्यों हावी नहीं होते? इसका कारण आसानी से समझा जा सकता है।

उदाहरण के लिए, सऊदी अरब की सीमा से लगे सादा में संघर्ष के मैदान नंगे, खड़े और ऊबड़-खाबड़ पहाड़ हैं जो टी.वी. क्रू की तुलना में चट्टान चढ़ने वालों के लिए ज्यादा उपयुक्त हैं। 19वीं सदी में सऊदी अरब से सटे वहाबी शासकों ने नजफ में अली की दरगाह और कर्बला को नष्ट कर दिया जो सऊदी-यमनी धार्मिक संघर्ष का संकेत देता है जो आज भी अनसुलझा है।

यमन में इमामों की व्यवस्था कैसे पनपी =पैगम्बर मोहम्मद के दामाद हजरत अली शियाओं के पहले इमाम हैं। सुन्नी उन्हें चौथे खलीफा के रूप में पूजते हैं। कहीं न कहीं शिया-सुन्नी झगड़े की जड़ें यहीं हैं। अली को पैगम्बर ने काजी या जज के तौर पर सना भेजा था। अली के सबसे बड़े बेटे हसन दूसरे इमाम हैं। कर्बला के शहीद छोटे बेटे हुसैन तीसरे इमाम हैं। हुसैन के बेटे, जैन-उल-अबेदिन कर्बला में हुसैन के एकमात्र जीवित पुरुष रिश्तेदार थे क्योंकि वे बीमार थे और युद्ध में नहीं जा सकते थे। वे ठीक हो गए और चौथे इमाम बन गए। उनके दो बेटे बकर इब्न अली और जैद इब्न अली कर्बला की लड़ाई के प्रति अपनी प्रतिक्रिया में भिन्न थे। बकर का दृष्टिकोण अधिक गांधीवादी था।उनका मानना था कि कर्बला में इमाम हुसैन और उनके परिवार की शहादत ने पहले ही इस्लाम के बड़े पैमाने पर पुनरुत्थान को प्रेरित किया था। जैद का मानना था कि ओमायद को हराना होगा। जैद के अनुयायी ने यमन में अपनी इमामत स्थापित की जो अरब प्रायद्वीप का अधिक सभ्य हिस्सा था। ओटोमन के बाद,यमन दो देशों में बंट गया, उत्तरी यमन की आबादी 20 मिलियन थी जिसकी राजधानी सना थी। दक्षिण यमन, जिसकी आबादी 4 मिलियन थी, की राजधानी अदन थी जो रणनीतिक रूप से अदन की खाड़ी के मुहाने पर स्थित थी।

सरकार के छोटे-छोटे कदम टीबी मुक्त भारत की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे

हर साल, हम विश्व क्षय रोग दिवस मनाते हैं। यह कार्यक्रम मार्च 1882 की तारीख को याद करने का दिन है जब जर्मन फिजिशियन डॉ. रॉबर्ट कोच ने माइकोबैटीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक जीवाणु की खोज की थी, यह जीवाणु तपेदिक/क्षय रोग (टीबी) का कारण बनता है। माइकोबैटीरियम ट्यूबरकुलोसिस की खोज हो जाने से टीबी के निदान और इलाज में बहुत आसानी हुई। जर्मन फिजिशियन रॉबर्ट कोच की इस खोज के लिए उन्हें 1905 में नोबेल पुरस्कार दिया गया। यही कारण है कि हर वर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन टीबी के सामाजिक, आर्थिक और सेहत के लिए हानिकारक नतीजों पर दुनिया में जन-जागरूकता फैलाने और दुनिया से टीबी के खात्मे की कोशिशों में तेजी लाने के लिए विश्व क्षय रोग दिवस मनाता आ रहा है। माइकोबैटीरियम ट्यूबरकुलोसिस की खोज के सौ साल बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डल्यूएचओ) ने पहली बार 1982 को विश्व क्षय रोग दिवस शुरू मनाने की शुरुआत की, तभी से हर साल विश्व क्षय रोग दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है।

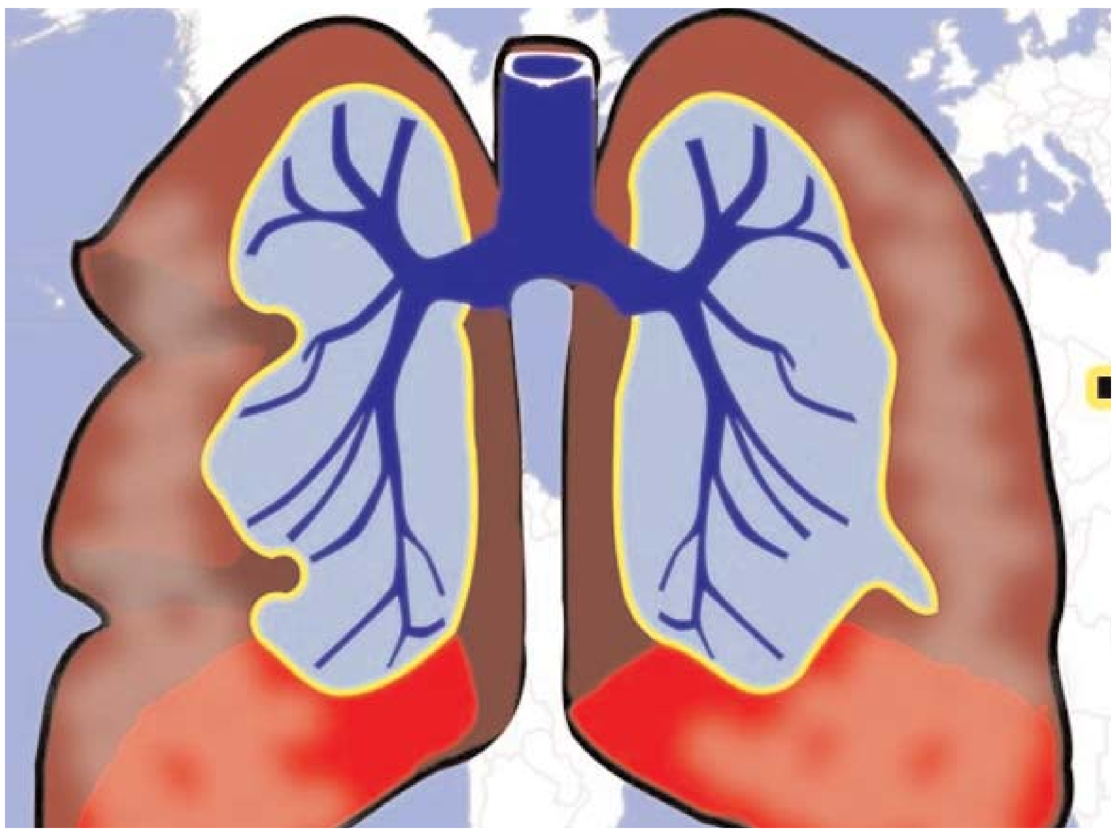

टीबी (क्षय रोग) एक घातक संक्रामक रोग है जो कि माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस जीवाणु की वजह से होती है। टीबी (क्षय रोग) आमतौर पर ज्यादातर फेफड़ों पर हमला करता है, लेकिन यह फेफड़ों के अलावा शरीर के अन्य भागों को भी प्रभावित कर सकता हैं। यह रोग हवा के माध्यम से फैलता है। जब क्षय रोग से ग्रसित व्यक्ति खांसता, छींकता या बोलता है तो उसके साथ संक्रामक ड्रॉपलेट न्यूक्लिआई उत्पन्न होता है जो कि हवा के माध्यम से किसी अन्य व्यक्ति को संक्रमित कर सकता है। ये ड्रॉपलेट न्यूक्लिआई कई घंटों तक वातावरण में सक्रिय रहते हैं। जब एक स्वस्थ्य व्यक्ति हवा में घुले हुए इन माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस ड्रॉपलेट न्यूक्लिआई के संपर्क में आता है तो वह इससे संक्रमित हो सकता है। क्षय रोग सुप्त और सक्रिय अवस्था में होता है। सुप्त अवस्था में संक्रमण तो होता है लेकिन टीबी का जीवाणु निष्क्रिय अवस्था में रहता है और कोई लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। अगर सुप्त टीबी का मरीज अपना इलाज नहीं कराता है तो सुप्त टीबी, सक्रिय टीबी में बदल सकती है। लेकिन सुप्त टीबी ज्यादा संक्रामक और घातक नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अनुमान के अनुसार विश्व में 2 अरब से ज्यादा लोगों को लेटेंट (सुप्त) टीबी संक्रमण है। सक्रिय टीबी की बात की जाए तो इस अवस्था में टीबी का जीवाणु शरीर में सक्रिय अवस्था में रहता है, यह स्थिति व्यक्ति को बीमार बनाती है। सक्रिय टीबी का मरीज दूसरे स्वस्थ्य व्यक्तियों को भी संक्रमित कर सकता है, इसलिए सक्रिय टीबी के मरीज को अपने मुँह पर मास्क या कपडा लगाकर बात करनी चाहिए और मुँह पर हाथ रखकर खाँसना और छींकना चाहिए। अगर टीबी का जीवाणु फेफड़ों को संक्रमित करता है तो वह पल्मोनरी टीबी (फुफ्फुसीय यक्ष्मा) कहलाता है। टीबी का बैक्टीरिया 90 प्रतिशत से ज्यादा मामलों में फेंफड़ों को प्रभावित करता है। लक्षणों की बात की जाए तो आमतौर पर लंबे समय तक खांसी, सीने में दर्द, बलगम, वजन कम होना, बुखार आना और रात में पसीना आना शामिल हो सकते हैं। कभी-कभी पल्मोनरी टीबी से संक्रमित लोगों की खांसी के साथ थोड़ी मात्रा में खून भी आ जाता है। लगभग 25 प्रतिशत से ज्यादा मामलों में किसी भी तरह के लक्षण नहीं दिखाई देते हैं।

अगर टीबी का जीवाणु फेंफड़ों की जगह शरीर के अन्य अंगों को प्रभावित करता है तो इस प्रकार की टीबी एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी (इतर फुफ्फुसीय यक्ष्मा) कहलाती है। एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी पल्मोनरी टीबी के साथ भी हो सकती है। अधिकतर मामलों में संक्रमण फेंफड़ों से बाहर भी फैल जाता है और शरीर के दूसरे अंगों को प्रभावित करता है। जिसके कारण फेंफड़ों के अलावा अन्य प्रकार के टीबी हो जाते हैं। फेंफड़ों के अलावा दूसरे अंगों में होने वाली टीबी को सामूहिक रूप से एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी (इतर फुफ्फुसीय यक्ष्मा) के रूप में चिह्नित किया जाता है। एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी (इतर फुफ्फुसीय यक्ष्मा) अधिकतर कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों और छोटे बच्चों में अधिक आम होता है। एचआईवी से पीड़ित लोगों में, एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी (इतर फुफ्फुसीय यक्ष्मा) 50 प्रतिशत से अधिक मामलों में पाया जाता है।

आज के समय पर सामान्य टीबी का इलाज कोई चुनौती नहीं है। अगर कोई भी व्यक्ति टीबी का मरीज है तो वह 6-9 महीने टीबी का उपचार लेकर स्वस्थ्य हो सकता है। आज के समय पर सबसे बड़ी चुनौती है ड्रग रेजिस्टेंट टीबी के इलाज की, जो कि प्रमुख रुप से दो प्रकार की होती है मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट टीबी और एक्सटेनसिवली ड्रग रेजिस्टेंट टीबी। मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट टीबी में फर्स्ट लाइन ड्रग्स का टीबी के जीवाणु (माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस) पर कोई असर नहीं होता है। अगर टीबी का मरीज नियमित रूप से टीबी की दवाई नहीं लेता है या मरीज द्वारा जब गलत तरीके से टीबी की दवा ली जाती है या मरीज को गलत तरीके से दवा दी जाती है और या फिर टीबी का रोगी बीच में ही टीबी के कोर्स को छोड़ देता है (टीबी के मामले में अगर एक दिन भी दवा खानी छूट जाती है तब भी खतरा होता है) तो रोगी को मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट टीबी हो सकती है। इसलिए टीबी के रोगी को डॉक्टर के दिशा निर्देश अनुसार नियमित टीबी की दवाओं का सेवन करना चाहिए। मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट टीबी में फर्स्ट लाइन ड्रग्स आइसोनियाजिड और रिफाम्पिसिन जैसे दवाओं का मरीज पर कोई असर नहीं होता है क्योंकि आइसोनियाजिड और रिफाम्पिसिन ड्रग का टीबी का जीवाणु (माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस) प्रतिरोध करता है।

एक्सटेंसिवली ड्रग रेजिस्टेंट टीबी मल्टी ड्रग रेजिस्टेंस टीबी से ज्यादा घातक होती है। एक्सटेंसिवली ड्रग रेजिस्टेंट टीबी में मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट टीबी के उपचार के लिए प्रयोग होने वाली सेकंड लाइन ड्रग्स का टीबी का जीवाणु प्रतिरोध करता है। एक्सटेंसिवली ड्रग रेजिस्टेंस टीबी में फर्स्ट लाइन ड्रग्स आइसोनियाजिड और रिफाम्पिसिन के साथ-साथ टीबी का जीवाणु सेकंड लाइन ड्रग्स में कोई फ्लोरोक्विनोलोन ड्रग (लिवोफ्लॉक्सासिन और मोक्सीफ्लोक्सासिन) और बेडाक्वीलाइन/लिनेजोलिड ड्रग का प्रतिरोध करता है। मल्टी ड्रग रेजिस्टेंस टीबी का रोगी द्वारा अगर सेकंड लाइन ड्रग्स को भी ठीक तरह और समय से नहीं खाया जाता या लिया जाता है तो एक्सटेनसिवली ड्रग रेजिस्टेंट टीबी की सम्भावना बढ़ जाती है। इस प्रकार की टीबी में एक्सटेंसिव ड्रग्स द्वारा एक साथ कई ड्रग्स का संयोजन बनाकर 2 वर्ष से अधिक तक उपचार किया जाता है। लेकिन एक्सटेनसिवली ड्रग रेजिस्टेंट टीबी का उपचार सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण है। आज के समय पर ड्रग रेजिस्टेंट टीबी के उपचार के लिए तीन प्रकार की रेजीमेन- एचमोनो पोली रेजीमेन (6 या 09 माह), शॉर्टर रेजिमेन (9-11 माह) और ऑल ओरल लोंगर रेजीमेन (18-20 माह) का उपयोग किया जा रहा है। नयी टीबी ड्रग बेडाक्वीलाइन का उपयोग भी ड्रग रेजिस्टेंट टीबी (एमडीआर और एक्सडीआर) के उपचार में किया जा रहा है, बेडाक्वीलाइन दवा टीबी की अन्य दवाओं के साथ छः माह तक एक अतिरिक्त दवा के तौर पर दी जाती है। जिन भी मरीजों को देश में बेडाक्वीलाइन दवा दी जा रही है वह सरकार द्वारा मुफ्त में उपलब्ध कराई जा रही हैं। शोध में पता चला है कि बेडाक्वी लाइन ड्रग रेसिस्टेंट टीबी की इलाज की दर को बढ़ा रही है।

लेकिन बेडाक्वीलाइन ड्रग भी हर मरीज को नहीं दी जा सकती है इसके भी अपने दायरे हैं। डेलामानिड दवा भी दवा प्रतिरोधक टीबी के इलाज के लिए नयी दवा है। इसके अलावा भारत में ड्रग रेजिस्टेंट टीबी के इलाज के लिये नयी रेजीमेन को मंजूरी दी गयी है, जिसे बीपाल-एम (बीडाक्विलिन, प्रीटोमैनिड, लाइनज़ोलिड और मोक्सीफ्लोक्सासिन) के नाम से जाना जाता है, जिसकी अवधि 6 महीने है। बीपाल-एम रेजीमेन का देष में अभी विस्तार होना बाकी है, आषा है कि 2025 में भारत के सभी राज्यों में इस नयी ड्रग रेजिस्टेंट रेजीमेन का प्रयोग होने लगेगा। बीपाल-एम रेजीमेन के माध्यम से ड्रग रेजिस्टेंट टीबी के इलाज में एक क्रांति आयेगी क्योंकि देष में बीपाल-एम रेजीमेन के ट्रायल में इसकी सफलता दर लगभग 93 प्रतिषत रही है।

छावा विवाद से किसका नफा, किसका नुकसान

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म 'छावा' फिल्म के चलते मुगल बादशाह औरंगजेब इन दिनों चर्चा में है। औरंगजेब भी चर्चा में तब आया, जब मुंबई के एक विधायक अबू आजमी ने उसकी प्रशंसा कर दी। इसके बाद विवाद इतना बढ़ा कि महाराष्ट्र से लेकर देश की राजनीति सुलगने लगी। वामपंथी और राष्ट्रवादीय ऐतिहासिक दृष्टि तो पहले से ही औरंगजेब को लेकर बंटी हुई है, ऐसे में राजनीति नहीं बंटती तो हैरत ही होती। राजनीति के इस बंटवारे पर निगाह जमाए बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका मिला और नागपुर में दंगा फैल गया। अब दंगे की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, पता चल रहा है कि औरंगजेब को लेकर जैसे-जैसे विवाद बढ़ा, धार्मिक आधार पर वैचारिक ध्रुवीकरण बढ़ा। इसने सामाजिक समरसता के पथ के नीचे जैसे बारूद बिछा दी। इस बारूद के इंतजार में बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका माकूल लगा और उन्होंने अफवाह की माचिस धीरे से जलाकर बारूद के ढेर पर फेंक दी। नागपुर के दंगों में बांग्लादेशी कनेक्शन के संकेत तो यही हैं।

समाजशास्त्री और चुनाव शास्त्री मानते हैं कि धार्मिक ध्रुवीकरण का फायदा राजनीति के उस हिस्से को होता है, जो मध्यमार्गी नहीं होती। उन्हें इसमें एक और तथ्य भी जोड़ देना चाहिए कि ध्रुवीकरण का फायदा राष्ट्रविरोधी ताकतों को भी मिलता है। तीन सौ साल पुराने शहर नागपुर का दंगों की आग में झुलसना तो यही बताता है। यह भी ध्यान देने की बात है कि नागपुर में अब तक कभी दंगा नहीं हुआ। बाबरी ध्वंस के बाद महाराष्ट्र के कई इलाके जब सुलग रहे थे, तब भी नागपुर शांत था। लेकिन औरंगजेब के चरित्र पर जब 'छावा' फिल्म ने सवाल उठाए तो नागपुर जल उठा।

औरंगजेब महान था या क्रूर, इसे लेकर इतिहासकार कभी एकमत नहीं हो सकते। वैसे इतिहास लेखन की जो नई धाराएं हैं, उनमें किसी भी ऐतिहासिक शख्सियत का सम्यक मूल्यांकन नहीं होता। बल्कि इतिहासकार अपनेङ्कअपने वैचारिक खेमे के लिहाज से अपनी सरपरस्त राजनीतिक धारा को फायदा पहुंचाने को लेकर ऐतिहासिक चरित्रों को पेश करता है। औरंगजेब के चरित्र को लेकर लिखे गए इतिहास की भी यही कहानी है। यह बताने की जरूरत नहीं कि औरंगजेब को वामपंथी इतिहासकार महान शासक बताते रहे हैं। स्कूली पाठ्यक्रमों में औरंगजेब के बारे में पढ़ाया ही जाता रहा है कि बादशाह होने के बावजूद वह टोपी सिलकर और कुरान बेचकर अपना खर्च चलाता था। इस तथ्य को स्कूली स्तर से ही भारत की दो पीढ़ियों में इस कदर घोलकर पिला दिया गया है, उसके अन्य क्रूर कार्यों की छाप कहीं नेपथ्य में चली जाती है। बेशक औरंगजेब कुरान बेचकर और टोपी सिलकर अपना दैनंदिन खर्च चलाता था, लेकिन यह भी सच है कि उसने सल्तनत अपने नाम करने के लिए अपने ही भाई दाराशिकोह की हत्या करा दी थी, अपने ही पिता शाहजहां और माता को आगरा के किले में कैद कर रखा था। औरंगजेब के खाते में अपने शासन के दौरान हिंदुओं पर तरह-तरह के अत्याचार भी दर्ज हैं।

नागपुर के दंगों को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने जो कहा है, उसे लेकर भी विवाद हो रहा है। फड़णवीस ने कहा है कि छावा फिल्म को लेकर मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था। वैसे नागपुर में अफवाह फैलाई गई कि कुरान को जलाया जा रहा है। इसके बाद नागपुर का मुस्लिम समुदाय आक्रामक हो उठा और देखते ही देखते

संतरा उत्पादन इलाके की राजधानी के रूप में विख्यात नागपुर धधक उठा। जब से शिवसेना के रास्ते बीजेपी से अलग हुए हैं, तब से उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना बीजेपी और उसके मराठी अगुआ देवेंद्र फड़णवीस पर हमले और तंज कसने का कोई मौका नहीं छोड़ती। मराठी मानुष की नजर में हिंदू हृदय सम्राट रहे बाला साहब देवरस की वैचारिक उत्तराधिकारी होने का दावा करने वाली शिवसेना के लिए देवेंद्र फड़णवीस का बयान बढ़िया अवसर लगा। उसने देवेंद्र फड़णवीस पर हमला बोल दिया। उद्धव की शिवसेना इस बहाने देवेंद्र को यह साबित करने में जुटी रही कि दरअसल वे सिर्फ हिंदुओं के वोट के लिए हिंदुतव की राजनीति करते हैं, अलबत्ता उनका नजरिया दूसरा है। यह बात और है कि बीजेपी की ओर से शिवसेना के बयानों पर वैसी प्रतिक्रियाएं नहीं आई हैं, जैसी उसकी प्रतिक्रिया अबू आजमी के बयान के बाद आई थी, जिसमें आजमी ने औरंगजेब की प्रशंसा की थी।

अगर हम मान लेते हैं कि छावा की वजह से मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था, क्योंकि इस फिल्म में औरंगजेब के चरित्र को उनके जेहनी छवि से अलग रूप में पेश किया गया है, तो इसका मतलब यह है कि फिल्म किताब की तुलना में कहीं ज्यादा प्रभावी माध्यम है। यह फिल्म मराठी के मशहूर उपन्यासकार शिवाजी सावंत के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है। दिलचस्प यह है कि यह उपन्यास करीब 46 साल पहले 1979 में प्रकाशित हुआ था, जिसका हिंदी समेत कई अन्य भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। छावा का मतलब बच्चा या बेटा होता है। यह उपन्यास शिवाजी के बेटे संभाजी के जीवन पर केंद्रित है। इस उपन्यास में छत्रपति संभाजी के साथ औरंगजेब के युद्ध और मराठा साम्राज्य पर औरंगजेब के अत्याचार की कहानियां हैं। फिल्म में इसे ही उभारा गया है।

वैसे एक सवाल यह भी उठता है कि ऐतिहासिक चरित्रों को लेकर कोई समुदाय इस कदर क्यों खुद की भावनाओं को जोड़ लेता है ? औरंगजेब के चरित्र को लेकर इतना गुस्से में भरने की जरूरत ही क्यों पड़े कि अपने आज के पड़ोसियों के साथ विवाद खड़ा करना पड़े। अगर किसी चरित्र का ऐतिहासिक स्वरूप क्रूरता से भरा है तो क्रूरता का बचाव ही क्यों करना? सवाल राजनीति से भी पूछे जा सकते हैं कि राजनीतिक लाभ-हानि के हिसाब को कब परे रखकर ऐतिहासिक चरित्रों का समग्रता से मूल्यांकन करेगी? सवाल यह भी उठ सकता है कि क्या हम इतिहास को लेकर रोज-रोज के अपने रिश्तों को इतना बिगाड़ लेंगे कि हम वर्तमान में अपने साथियों और पड़ोसियों के साथ सुकून के साथ बैठ नहीं सकें, दो बोल बोल नहीं सकें। सवाल इतिहासकारों से भी पूछा जाना चाहिए कि वे कब अपनी वैचारिक खेमेबाजी से उठकर किसी ऐतिहासिक घटना और चरित्र का आकलन करेंगे और कब तक अपने वैचारिक आकाओं के राजनीतिक मोहरे बनते रहेंगे? इन सबमें दिलचस्प यह है कि छावा फिल्म के जरिए फिल्मकार की मोटी कमाई हो रही है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह फिल्म साढ़े सात सौ करोड़ रूपए से ज्यादा की कमाई कर चुकी थी। यानी विवादों ने फिल्म को आर्थिक फायदा खूब पहुंचाया है। इस पूरे विवाद में अगर नुकसान हुआ है तो सिर्फ और सिर्फ भारत के लोक का, जो लोकतंत्र का आधार है।

पीएम मोदी के छत्तीसगढ़ दौरे के सियासी मायने

एनटीपीसी, रेलवे और सड़क से जुड़े प्रोजेक्ट कर सकते हैं लॉन्च, 1 हजार करोड़ से ज्यादा कीमत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। 30 मार्च को वे बिलासपुर में एक सभा लेंगे। यहां वो 1 हजार करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट्स को लॉन्च कर सकते हैं। सियासी तौर पर प्रधानमंत्री का ये दौरा अहम है। मोदी छत्तीसगढ़ से प्रदेश और देश को रेलवे, एनटीपीसी और हाईवे कनेक्टिविटी की सुविधाओं से जुड़ी सौगात देंगे।

बिलासपुर के मोहभट्ठा ग्राउंड में मोदी की सभा होगी। विधायकों, सांसदों, पंचायत स्तर के नेताओं को पूरे प्रदेश से लोगों को लाने की जिम्मेदारी दी गई है। मुख्यमंत्री साय खुद लगातार तैयारियों का जायजा ले रहे हैं।

कई प्रोजेक्ट कर सकते हैं लॉन्च: अब तक इस बात को गुप्त रखा गया है कि प्रधानमंत्री किस प्रोजेक्ट को कार्यक्रम में लॉन्च करेंगे। लेकिन शुरुआती जानकारी प्रदेश के डिप्टी सीएम अरुण साव ने दी है। उन्होंने बताया- प्रधानमंत्री छत्तीसगढ़ से कई परियोजनाओं के भूमिपूजन और शुरुआत कर सकते हैं। एनटीपीसी के काम हैं, राज्य सरकार के काम हैं, रेलवे के कुछ काम हैं, नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के काम हैं। ऐसे अनेक कामों का लोकार्पण भूमि पूजन शुभारंभ का कार्यक्रम होने वाला है।

डिप्टी सीएम ने कहा कि कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं, एक महत्वपूर्ण बैठक इस विषय को लेकर बिलासपुर में करने वाले हैं। बिलासपुर संभाग के प्रमुख अधिकारियों के साथ जन प्रतिनिधियों के साथ और राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री जी भी तैयारी की समीक्षा लगातार कर रहे हैं।

55 एकड़ में होगा कार्यक्रम: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 मार्च को बिलासपुर के बोदरी तहसील के ग्राम मोहभट्ठा में सभा करेंगे। इससे पहले वो रायपुर आएंगे। बिलासपुर के कलेक्टर अवनीश शरण ने मुख्यमंत्री के सचिव को तैयारियों के बारे में बताया कि सभास्थल 55 एकड़ मैदान में आयोजित की जा रही है।

प्रधानमंत्री और उनके स्टाफ के उतरने के लिए स्थल के किनारे 3 हेलीपेड लगभग तैयार हो गए हैं। स्थल के एक किनारे पर 2 और हेलीपेड बनाए जा रहे हैं। ये राज्यपाल और मुख्यमंत्री के लिए होंगे। सभास्थल के आस-पास 9 पार्किंग स्थल तैयार हो चुके हैं।

सभास्थल में पांच डोम खड़े किए जा रहे हैं। सभी डोम मिलाकर 120 सेक्टर में लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। प्रत्येक सेक्टर में एक से डेढ़ हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। उनके पानी, नाश्ता, दवा और साफ-सफाई से जुड़ी व्यवस्थाओं को कर्मचारी संभालेंगे। लोग 4-5 घंटे तक सभास्थल पर ठहरेंगे, टॉयलेट भी बनाए जा रहे हैं।

क्या हैं पीएम मोदी के दौरे के सियासी मायने: छत्तीसगढ़ में विधानसभा, लोकसभा और पंचायत चुनाव खत्म हो चुके हैं। अब सरकार के पास काम करने का समय है। राज्य सरकार और केंद्र सरकार के कोआर्डिनेशन से प्रदेश में कई बड़े प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस दौरे के जरिए यह दिखाने की कोशिश होगी कि तेजी से जनता से जुड़े काम हो रहे हैं। भाजपा देशभर में इस दौरे से यह भी दिखाने का प्रयास करेगी कि अगर केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार है तो कैसे बड़ी सौगातें मिलती हैं। इसका असर उन राज्यों पर होगा, जिनमें कुछ महीनों बाद चुनाव होने वाले हैं जैसे कि बिहार।

पिछली बार कब आए थे नरेंद्र मोदी: पिछली बार अप्रैल 2024 में नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ आए थे। 23 अप्रैल को पहले जांजगीर-चांपा के सक्ती और फिर शाम को धमतरी में प्रधानमंत्री की सभा हुई थी। इसके बाद 24 अप्रैल को सुबह 10.30 बजे सरगुजा लोकसभा सीट के लिए अंबिकापुर में चुनावी सभा हुई। तब पीएम मोदी रायपुर के राजभवन में रात रुके थे।

सब्जी का मोलभाव करने पर मर्डर

कद्दू का रेट कम करने कहा तो भड़का दुकानदार, ग्राहक को उठाकर सिर के बल पटका

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में सब्जी खरीदने के दौरान मोलभाव करने पर ग्राहक का मर्डर हो गया। कद्दू का रेट कम करने कहा तो दुकानदार ने ग्राहक को सिर के बल उठाकर जमीन पर पटक दिया। जिससे उसका सिर फट गया और काफी खून बह गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

यह पूरा मामला खमतराई थाना क्षेत्र का है। फिलहाल पुलिस मृतक की पहचान करने में जुटी है। वहीं आरोपी सब्जी वाले को गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, यह घटना 22 मार्च के शाम 6 की है। करीब 50 साल का एक व्यक्ति रावाभाठा बंजारी मंदिर के पास सब्जी बाजार में आया। वहां पर रेशम उर्फ गोलू ढीमर ने सब्जी दुकान लगाई थी।

व्यक्ति ने कद्दू उठाकर रेट पूछा। फिर वह मोलभाव करने लगा। इस दौरान दुकानदार गोलू के साथ उसका विवाद हो गया। गोलू ने उसे गाली-गलौज देते हुए जान से मारने की धमकी दी।

सिर के बल उठाकर जमीन पर पटका: विवाद बढ़ने के बाद गोलू ने गुस्से में आकर व्यक्ति को मुक्के से मारना शुरू कर दिया। फिर उसने उसे सिर के बल जमीन पर उठाकर पटक दिया। जिस व्यक्ति का सिर फट गया और खून निकलने लगा। इस घटना के बाद आसपास लोगों ने फौरन पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी।

घायल को मेकाहारा अस्पताल पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान व्यक्ति की मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने आरोपी गोलू ढीमर को गिरफ्तार कर लिया है।

मृतक की पहचान में जुटी पुलिस: इस मामले में फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस मृतक की पहचान में जुटी है। उसके जेब में किसी भी प्रकार का कोई आइडेंटी कार्ड नहीं मिला है। इसके अलावा पुलिस आसपास के थानों में भी गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगाल रही है। पुलिस को आशंका है कि मृतक बाहर से रोजी मजदूरी करने आया होगा।

ट्रेलर ने कंपनी के गार्ड को कुचला

पूजा करने के लिए मंदिर जा रहा था, भागते समय बाइक सवार दंपति को भी मारी टक्कर

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में मंगलवार दोपहर को तेज रफ्तार ट्रेलर ने पैदल जा रहे गार्ड को कुचल दिया। जिससे अशोक लीलैंड कंपनी के गार्ड मिलन यादव (58) की मौत हो गई। हादसा कोरबा-चांपा मुख्य मार्ग पर हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, करीब 1 बजे गार्ड मिलन यादव ड्यूटी पर था। कंपनी के पास स्थित एक मंदिर में पूजा करने जा रहा था। इसी दौरान सीमेंट से लदे ट्रेलर ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

भागते समय ड्राइवर ने बाइक सवार को मारी टक्कर: ट्रेलर चालक इसराइल खान घटना के बाद मौके से भाग निकला। भागते समय उसने एक बाइक सवार दंपति को भी टक्कर मार दी। हालांकि दंपति को मामूली चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने घटनास्थल से करीब 2 किलोमीटर दूर चालक को पकड़ लिया।

डर की वजह से भागा: चालक ने बताया कि, वो बलौदाबाजार से काबूबेल जा रहा था। उसे राहगीर नजर नहीं आया और हादसा हो गया। डर के मारे वह भाग रहा था। बाद में उसने खुद 112 को फोन कर घटना की जानकारी दी। 112 की टीम ने मौके पर पहुंचकर चालक को उरगा थाना पुलिस के हवाले कर दिया।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक के परिजनों को बुलाकर उनके बयान दर्ज किए गए हैं और पंचनामा की कार्रवाई की जा रही है।

सीजी में अलग-अलग सड़क हादसे में 5 की मौत

गरियाबंद में कार से भिड़े 3 बाइक सवार, राजिम में ट्रक ने 2 युवकों को रौंदा

मीडिया ऑडीटर, गरियाबंद (एजेंसी)। गरियाबंद जिले में 2 अलग-अलग सड़क हादसों में 5 लोगों की मौत हो गई। पहली घटना सोमवार रात राजिम के सुरसाबांधा तालाब मोड़ के पास हुई जहां तेज रफ्तार ऑल्टो कार से तीन बाइक सवार टकरा गए, हादसे में 3 युवकों की जान चली गई।

वहीं दूसरी घटना आरंग थाना क्षेत्र के समोदा में हुई। जहां रविवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। इस हादसे में 2 युवकों की मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया।

पहली घटना में 3 की मौत: गरियाबंद के जेंजरा निवासी 5 लोग 3 अलग-अलग बाइक में सवार होकर किसी काम से राजिम आए थे। शाम 7 बजे वे घर लौट रहे थे। तभी सामने से गरियाबंद की ओर से तेज रफ्तार में एक कार आ रही थी। जहां तीनों बाइक और कार की आमने-सामने टक्कर हो गई।

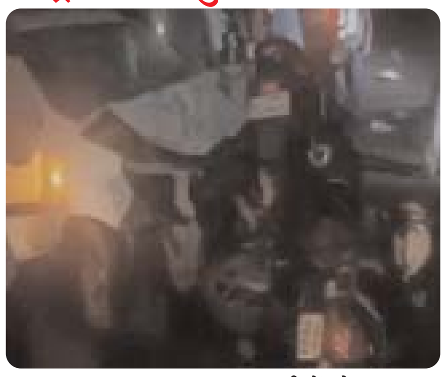

टक्कर इतनी जबरदस्त थी की घटना के बाद कार के सामने 2 बाइक चढ़ गई, वहीं 1 बाइक टकराकर दूर जा फेंकाई। मौके पर ही 2 युवकों की मौत हो गई थी वहीं सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां रास्ते में ही 1 युवक ने दम तोड़ दिया।

मरने वालों में लोमचंद साहू, शीतल साहू और घनश्याम साहू एक ही परिवार के थे।

दूसरी घटना में 2 की मौत: रविवार शाम 5 बजे आरंग में कुरुद-कुटेला के बीच तेज रफ्तार ट्रक (सीजी04 पत्रिकाश्व 0169) ने एक बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में छोटकू खूंटे और कामता सोनवानी नीचे गिर गए और ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

गुस्साए ग्रामीणों ने नवापारा-आरंग में चक्काजाम कर दिया। पुलिस ने ग्रामीणों को शांत कराने का प्रयास किया। लेकिन उनका गुस्सा कम नहीं हुआ। ग्रामीणों ने उचित मुआवजा और ट्रक ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस के समझाइश के बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम खत्म कर दिया।

दोनों मृतकों का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

रायगढ़ के डैम में मिली 2 सगी बहनों की लाश

भाई से बहस हुई तो गुस्से में घर से निकली, दूसरे दिन तैरते मिले शव

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में डैम में डूबने से 2 सगी बहनों की मौत हो गई। बताया जा रहा है सोमवार रात दोनों की अपने सौतेले भाई से किसी बात को लेकर बहस हो गई थी। जिसके बाद वे दोनों गुस्सा करते हुए घर से निकल गए। परिजन रात भर ढूंढते रहे लेकिन नहीं मिले।

घटना चक्रधर नगर थाना क्षेत्र की है। पुलिस के मुताबिक, विंध्या जाटवर (19 साल) और उसकी छोटी बहन अंजली जाटवर (17 साल) विनोबा नगर क्षेत्र की रहने वाली हैं। मंगलवार सुबह पचधारी डैम में उनकी तैरती लाश मिली। पुलिस ने आत्महत्या की आशंका जताई है।

आत्महत्या की आशंका: थाना प्रभारी प्रशांत राव आहेर ने कहा कि बहस के बाद दोनों घर से निकले। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि बड़ी बहन आत्महत्या के लिए पानी में कूदी होगी, तब छोटी बहन उसे बचाने के लिए छलांग लगाई होगी और दोनों पानी से बाहर नहीं निकल सके। हालांकि पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।

रात में ढूंढने पर पता नहीं चला: जानकारी के मुताबिक, बच्चियों के पिता नहीं हैं और मां हाउसवाइफ हैं। भाई मजदूरी करता है। मृतका बहनों की मां रत्ना जाटवर ने बताया कि रात में घर में सभी ने खाना खाया। इसके बाद भाई के साथ मामूली सी बहस हो गई।

इससे दोनों बहन रात में ही घर से निकल गए। सभी यह सोच रहे थे कि वे आ जाएंगे। कुछ देर बाद जब नहीं पहुंचे तो दोनों को ढूंढने की कोशिश भी की गई। दोनों रात भर नहीं आईं और सुबह ऐसी घटना की जानकारी मिली।

मामले की जांच में जुटी पुलिस: आसपास के लोगों ने डैम में तैरती लाश देखी तो पुलिस को सूचना दी गई। टीम ने मौके पर पहुंचकर और लोगों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। मर्ग कायम कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। परिजन अभी शोकाकुल हैं इसलिए, ज्यादा पूछताछ नहीं हो सकी है।

गांजा तस्करों ने पुलिस को छकाया, ओडिशा से यूपी जा रहे थे कार सवार, 30-40 किमी दौड़ाने पर पकड़ाए, 100 किलो माल जब्त

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में 100 किलो गांजा पकड़ाया है। कार समेत कुल 23 लाख का सामान जब्त किया गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी बिलासपुर होकर उत्तरप्रदेश के सुल्तानपुर जा रहे थे। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर तक पुलिस को भी चकमा देते रहे। चार बार कोशिश के बाद पुलिस ने कार सवार तस्करों को पकड़ लिया। आरोपी अलग-अलग राज्यों का नंबर प्लेट बदल-बदलकर यहां तक पहुंचे थे।

40 किलोमीटर तक पीछा कर पुलिस ने पकड़ा: तस्कर बिलासपुर से रास्ता बदलकर निकलकर रतनपुर की ओर भागने लगे। पुलिस की टीम कार सवार तस्करों का पीछा कर रही थी। इस दौरान अलग-अलग रास्तों पर बिलासपुर से रतनपुर के बीच कार सवार पुलिसकर्मियों को 30 से 40 किलोमीटर तक चकमा दिया। लेकिन, तस्कर रतनपुर नहीं पहुंचे।

एक टीम उनके पीछे लगी हुई थी। इस बीच तस्करों को पकड़ने में 3 बार पुलिस असफल रही। चौथे प्रयास में सेंदरी ओवर ब्रिज पर तस्कर पकड़े गए। कार से पुलिस को 100 पैकेट में करीब 100 किलो गांजा मिला। पुलिस ने तीनों तस्करों को गिरफ्तार किया। पुलिस का दावा है कि तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस के तहत केस दर्ज कर एंड टू एंड कार्रवाई की जाएगी और उनके गैंग के अन्य लोगों की भी तलाश की जाएगी। आगे की कार्रवाई कोनी थाना पुलिस करेगी।

नाकेबंदी के पहले ही भाग निकले तस्कर: दरअसल, सिटी कोतवाली सीएसपी आईपीएस अक्षय प्रमोद साबद्रा ने कोनी थाना प्रभारी को तुरंत सड़क पर चेकिंग पाइंट लगाने के निर्देश दिए। लेकिन, जब तक पुलिस ने नाकेबंदी शुरू की, कार सवार तस्कर वहां से भाग निकले। इससे साथ ही रतनपुर थाना प्रभारी को भी अलर्ट किया गया। कार कोनी से निकलकर रतनपुर पहुंच गई।

नंबर प्लेट बदलकर पुलिस को देते थे चकमा: गांजा तस्करों की कार से पुलिस को कई राज्यों के नंबर प्लेट मिले, जिसमें यूपी, ओडिशा, हरियाणा और छत्तीसगढ़ के नंबर प्लेट शामिल हैं। दरअसल, तस्कर नंबर प्लेट बदल-बदल कर पुलिस को चकमा देते थे।

छत्तीसगढ़ की सीमा में आते ही उन्होंने गाड़ी में सीजी सीरीज का नंबर प्लेट लगाया था। इस तरह वे पहले भी कई बार पुलिस को चमका देकर बड़ी मात्रा में गांजा तस्करी कर चुके हैं।

तस्करों की संपत्ति की जानकारी जुटा रही पुलिस: एएसपी अनुज कुमार ने बताया कि पुलिस ने इन तीनों तस्करों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इसके साथ ही इनकी संपत्ति की जानकारी जुटा रही है, जांच के बाद उनकी संपत्ति को जब्त की जाएगी। जिसके बाद नशे से कमाई संपत्ति की जानकारी सफेमा कोर्ट में देकर सीज कराई जाएगी।

ये आरोपी पकड़ाए: सौरभ यादव उर्फ पंकज (23) जौनपुर, उत्तरप्रदेश

सचिन उर्फ मोंटी यादव (28) सुल्तानपुर, उत्तरप्रदेश

विष्णु सिंह (29) सुल्तानपुर, उत्तरप्रदेश

शादी का दबाव बनाने पर प्रेमिका की हत्या

सालभर पहले जंगल में मिला था क्षत-विक्षत शव, आरोपी प्रेमी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, बलरामपुर (एजेंसी)। बलरामपुर जिले में सवा साल पहले 18 साल की युवती की हत्या के मामले में पुलिस ने प्रेमी को गिरफ्तार किया है। मेला देखने के लिए निकली युवती लापता हो गई थी। एक सप्ताह बाद उसका क्षत-विक्षत शव जंगल में मिला था। सुराग नहीं मिलने पर मामले की फाइल बंद कर दी गई थी। अब पता चला कि शादी का दबाव बनाने पर प्रेमी ने हत्या की थी। मामला कुसमी थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, 3 नवंबर 2023 को चैनपुर निवासी मांदा पैंकरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि, बेटी दिव्या पैंकरा उमको गांव में मेला देखने गई थी, जो वापस नहीं पहुंची। पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज किया था। फिर 13 नवंबर को कतारी कोना जंगल में दिव्या पैंकरा का शव क्षत-विक्षत हालत में मिला।

नहीं मिला सुराग, तो बंद की फाइल: पुलिस ने युवती के शव का पोस्टमॉर्टम कराया। युवती की मौत का कारण सिर पर गहरी चोट और हत्यात्मक प्रकृति का बताया गया। पुलिस ने मामले में धारा 302 का केस दर्ज किया। जांच में पुलिस को कोई सुराग नहीं मिला, तो पुलिस ने मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया था।

दोबारा खोली फाइल, प्रेमी गिरफ्तार: एसपी वैभव बेंकर के निर्देश पर पुलिस ने लंबित मामले की फाइल खोली। पुलिस जांच में पता चला कि दिव्या पैंकरा का प्रेम संबंध गांव के ही रविशंकर पैंकरा (34) के साथ था। पुलिस ने प्रेमी रविशंकर पैंकरा से कड़ाई से पूछताछ की, तो उसने दिव्या पैंकरा की हत्या करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

शादी का दबाव बना रही थी, इसलिए हत्या: पुलिस पूछताछ में रविशंकर पैंकरा ने बताया कि, दिव्या पैंकरा के साथ उसका कई साल से प्रेम प्रसंग था। वो लगातार शादी के लिए दबाव बना रही थी। उसे लेकर घर में विवाद होता था।

राज्यपाल के आगमन को लेकर जिले में तैयारियां को लेकर बैठक हुई संपन्न

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के सभा कक्ष में बैठक आयोजित की गई। इस दौरान कलेक्टर ने जानकारी दी कि छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका 26 मार्च को बैकुंठपुर दौरे के बाद ट्रेन के माध्यम से एमसीबी जिले में आएंगे। उनके आगमन को लेकर तैयारियों की चर्चा भी की गई। इस दौरान राज्यपाल अपने प्रवास के दौरान नई लेदरी रेस्टोरेंट पहुंचेंगे और फिर जिला कार्यालय पहुंचेंगे इस दौरान छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर परेड की सलामी लेंगे। इसके बाद कलेक्ट्रेट परिसर में "एक पेड़ मां के नाम" पौधा रोपण करेंगे। राज्यपाल शाम 4 बजे कलेक्टरेट सभाकक्ष में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले में चल रही शासकीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे। इसके साथ ही केंद्रीय और राज्य स्तरीय योजनाओं के क्रियान्वयन का भी जायजा लेंगे। वही राज्यपाल कमलदाह पहुंचकर उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित कमल फूल की खेती का निरीक्षण करेंगे। इसके अलावा वे आश्रय गृह घरौंधा चैनपुर, और तेंदुडांड हाउसिंग बोर्ड का दौरा करेंगे। जिले के अन्य महत्वपूर्ण स्थलों की भी समीक्षा की करेंगे। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि सभी हॉटस्पॉट पर मजिस्ट्रेट की तैनाती सुनिश्चित की जाए। वहीं स्थानीय प्रशासन राज्यपाल के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था और अन्य तैयारियों में जुट गया है। बैठक में जल संसाधन, उद्यानिकी, कृषि, नरेगा, स्वास्थ्य विभाग समेत कई विभागों की योजनाओं की जानकारी ली गई। इसके अलावा आयुष ग्राम, टीबी उन्मूलन, बाल लिंगानुपात, शाला प्रवेश उत्सव, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान और बाल विवाह रोकथाम कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, छत्तीसगढ़ नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना और पुस्तकालय व्यवस्था की प्रगति पर भी चर्चा हुई। इसके साथ ही स्वीप कार्यक्रम, एनसीसी, राम वन गमन पथ, टूरिज्म एस्टेट्स बैंक, रॉक पेंटिंग, गोंडवाना फॉसिल्स पार्क, घाघरा मंदिर, सती मंदिर और जिले के पर्यटन स्थलों की स्थिति पर भी विचार-विमर्श किया गया।

बेटी होने पर पति ने घर से निकाला, राष्ट्रीय महिला आयोग की सुनवाई में 35 मामलों का निराकरण, सदस्य ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर जताई नाराजगी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता कुमारी ने केस की सुनवाई की। सोमवार को एक महिला ने बेटी होने पर पति के घर से निकालने की शिकायत की। उसने बताया कि पति जब से ही मारपीट करता था। लेकिन जब उसकी बेटी हुई तो प्रताड़ना और बढ़ गया। मामला बिल्हा थाना क्षेत्र का है। पीड़िता ने बताया कि जब उसकी बेटी हुई तो पति ने घर से निकाल दिया। वह अपनी 10 माह की बेटी को लेकर शिकायत करने आई थी। जिस पर आयोग की सदस्य ने एसपी को मामले में कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

बता दें कि सुनवाई के दौरान 35 मामलों का तुरंत निराकरण किया गया। वहीं सुनवाई के दौरान बहुत ही कम शिकायतकर्ता पहुंचे थे। जिसको लेकर ममता कुमारी ने अधिकारियों पर नाराजगी जताई। उन्होंने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी नाराजगी जताई।

35 मामलों का निराकरण: राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ने पुलिस लाइन के चेतना हॉल में पीड़ित महिलाओं के मामलों की सुनवाई की। इस दौरान साल 2022 से 2025 के बीच के बिलासपुर के 29, मुंगेली के 2, कोरबा व जांजगीर-चांपा जिले के 8-8 सहित 48 मामले लिए गए। 35 मामलों का निराकरण होने की जानकारी दी गई। जबकि, बाकी मामले लंबित थे। इस पर आयोग की सदस्य ने कहा कि जो मामले अभी भी जांच के अधीन हैं, जिसमें जांच पूरी करें और निर्धारित समय के भीतर क्लोजर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

युवती की एडिट फोटो कराया डिलीट: सुनवाई के दौरान एक युवती ने अपने मंगेतर के खिलाफ शिकायत की। उसने बताया कि उसकी एडिट की हुई फोटो कई अकाउंट में शेयर की गई है। सदस्य ने एसपी को तत्काल अकाउंट ब्लॉक व डिलीट करने के निर्देश दिए। तीन अकाउंट ब्लॉक कर दो को डिलीट किया गया।

पुलिस संवेदनशील होकर महिलाओं की सुनें शिकायत: महिला आयोग की सदस्य ने एसपी रजनेश सिंह की मौजूदगी में कहा कि पुलिस प्रशासन महिलाओं के मुद्दों पर संवेदनशीलता और शीघ्रता से कार्य कर उन्हें राहत प्रदान करें। इस मामले में किसी भी तरह की कोताही न बरती जाए। सदस्य ममता कुमारी ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि यदि महिलाओं से जुड़ी शिकायतों की गंभीरता से जांच व कार्यवाही होगी तो प्रकरण आयोग तक नहीं पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा महिलाओं के मुद्दों पर अधिक संवेदनशीलता की अपेक्षा है। उन्होंने मामलों का निराकरण करने थाना प्रभारियों को एक सप्ताह का समय दिया। उन्होंने महिला हेल्पलाइन सखी वन स्टॉप सेंटर, बालिका गृह और कामकाजी महिला हॉस्टल का निरीक्षण किया।

शिकायतकर्ताओं के नहीं आने पर जताई नाराजगी: आयोग की सदस्य को इतनी कम संख्या में शिकायतकर्ताओं के आने की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने सूचना नहीं दिए जाने पर अधिकारियों पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आयोग की सुनवाई में इतनी कम संख्या में लोग पहुंचे हैं, यह दुखद है।

दरअसल, अधिकांश मामलों में शिकायतकर्ता पहुंचे ही नहीं थे। पता करने पर मालूम हुआ कि उन्हें सूचना ही नहीं मिली है।

जस्टिस वर्मा के घर 45 मिनट रुकी जांच टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के दिल्ली के 30, तुगलक क्रिसेंट स्थित आवास पर मंगलवार दोपहर सीजेआई की गठित 3 सदस्यीय टीम (इन हाउस पैनल) जांच के लिए पहुंची। टीम उस स्टोर रूम में गई जहां 500-500 के नोटों से भरीं अधजली बोरियां मिली थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक टीम जस्टिस वर्मा के घर 45 मिनट रुकी। जांच टीम में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जस्टिस शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जी एस संधावालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस अनु शिवरामन शामिल हैं। इससे पहले 24 मार्च को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस वर्मा को उनके पैरेंट कोर्ट (इलाहाबाद हाईकोर्ट) वापस ट्रांसफर करने की सिफारिश का प्रस्ताव जारी किया था। कॉलेजियम के प्रस्ताव में कहा गया कि 20 और 24 मार्च 2025 को हुई बैठकों में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा को इलाहाबाद हाईकोर्ट वापस भेजने की सिफारिश की है। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के इस फैसले पर आपत्ति जताई। बार आज से अनिश्चितकालीन ह?ताल पर है।

दिशा सालियान के पिता बोले- आदित्य ठाकरे को बचाया गया

मुंबई (एजेंसी)। दिशा सालियान मर्डर केस में पिता सतीश सालियान ने मंगलवार को मुंबई के पुलिस कमिश्नर दफ्तर में शिकायती पत्र दिया। इसमें शिवसेना लीडर उद्धव ठाकरे के बेटे और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे को दिशा की मौत का आरोपी बताया है। उन्होंने आदित्य के अलावा एक्टर डिनो मोरिया, सूरज पंचोली, उनका बॉडीगार्ड परमबीर सिंह, सचिन वाजे और एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को भी आरोपी बताया है। पिता सतीश सालियान के वकील निलेश ओझा ने इसकी जानकारी दी। ओझा ने बताया, दिशा के पिता सतीश ने परमबीर को इस केस को छिपाने का मास्टरमाइंड बताया है। उसने आदित्य ठाकरे को बचाने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और झूठ बोला। एनसीबी की जांच रिपोर्ट से भी यह साफ होता है कि आदित्य ड्रग कारोबार में शामिल था। दिशा एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर थीं। सुशांत की मौत से एक हफ्ते पहले उनकी भी मौत हुई थी। बीजेपी सांसद नारायण राणे ने शनिवार को दिशा सालियान केस में उद्धव ठाकरे पर बड़ा आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था- दिशा सालियान डेथ केस में उद्धव ठाकरे ने मुझसे उनके बेटे आदित्य ठाकरे का नाम न लेने का अनुरोध किया था।राणे ने कहा- मेरी मांग है कि अब तक जुटाए गए सबूतों के आधार पर स्न्ढ्ढक्र दर्ज की जाए और आदित्य ठाकरे को गिरफ्तार किया जाए।

पैरोडी सॉन्ग विवाद- कुणाल कामरा के घर पहुंची पुलिस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी ष्टरूएकनाथ शिंदे के खिलाफ पैरोडी सॉन्ग के जरिए विवादों में घिरे कॉमेडियन कुणाल कामरा को मुंबई पुलिस ने मंगलवार को समन जारी किया है। उन्हें पूछताछ के लिए आज ही सुबह 11 बजे खार पुलिस स्टेशन बुलाया गया था। हालांकि मुंबई में नहीं होने की वजह से कुणाल पूछताछ के लिए नहीं पहुंचे। मुंबई पुलिस के मुताबिक, नोटिस की एक फिजिकल कॉपी कामरा के घर पर भी भेजी गई है। उन्हें इस नोटिस के बारे में वॉट्सऐप से भी सूचित किया गया है।

मुख्यमंत्री निवास पर उत्साह और शालीनता के साथ मनाया गया जन्म दिवस

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को उनके जन्म दिवस की बधाई देते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा किए गए नवाचारों से प्रदेशवासियों का जीवन बेहतर हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि यही कामना है कि ईश्वर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को दीर्घ और स्वस्थ जीवन प्रदान करें और वे जन सेवा में इसी प्रकार निरंतर सक्रिय रहे। केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जन्म दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की डबल इंजन सरकार विकास और सुशासन के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने बाबा महाकाल से मुख्यमंत्री डॉ. यादव के उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन की मंगलकामना की है। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने बधाई संदेश में कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास और

उन्नति के नव शिखर को स्पर्श करे, यही कामना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सहित केंद्रीय मंत्रीगण का आभार माना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल, दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री ने बधाई दी। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर, खजुराहो सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा, श्री हितानंद शर्मा सहित कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों और संगठन पदाधिकारी ने जन्म दिवस की बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के जन्म दिवस पर मुख्यमंत्री निवास पर उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा एवं श्री राजेंद्र शुक्ल, मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, श्री तुलसीराम सिलावट, श्री गोविंद सिंह राजपूत, श्री विश्वास सारंग, श्री एंदल सिंह कंषाना, श्री इंदर सिंह परमार, श्री राकेश शुक्ला, श्रीमती कृष्णा गौर, श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, विधायकगण, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना, आयुक्त जनसंपर्क डॉ. सुदाम खाड़े सहित वरिष्ठ अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं, सामाजिक और स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा, मिष्ठान वितरण और वाद्ययंत्रों के माध्यम से अपनी प्रसन्नता और उत्साह का प्रकटीकरण किया।

भाजपा की ईद पर सौगात-ए-मोदी-32 लाख मुस्लिमों को स्पेशल किट बांटना शुरू, इसमें कपड़े और खाने-पाने का सामान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने मंगलवार को सौगात-ए-मोदी अभियान की शुरुआत की। इसके तहत देशभर में 32 लाख वंचित मुसलमानों को ईद मनाने के लिए विशेष किट दी जा रही है। भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा ने इस अभियान की जिम्मेदारी संभाली है। मोर्चे के 32 हजार कार्यकर्ता देश की 32 हजार मस्जिदों के साथ मिलकर जरूरतमंदों तक ये किट पहुंचाएगी। इसके लिए हर मस्जिद से 100 लोगों को मदद पहुंचाने का

टारगेट रखा गया है। सौगात-ए-मोदी किट में कपड़े और खाने पीने का सामान है। इसमें महिलाओं के लिए सूट, पुरुषों के लिए कुर्ता-पायजामा, दाल, चावल, सेवंई, सरसों तेल,चीनी, कपड़े, मेवा, खजूर शामिल हैं। प्रत्येक किट की कीमत ?500-?600 के करीब बताई गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर त्योहार के जश्न और हर किसी की खुशी में शामिल होते हैं। हम हर त्योहार को रंगों से भरपूर बनाने का प्रयास कर रहे हैं। आज हम सौगात-ए-मोदी किट बांट रहे हैं क्योंकि यह रमजान का महीना है। सभी की आस्था का सम्मान किया जाना चाहिए।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा- रमजान के पवित्र महीने और ईद, गुड फ्राइडे, ईस्टर, नौरुज के मौके पर अल्पसंख्यक मोर्चा सौगात-ए-मोदी अभियान के जरिए जरूरतमंदों तक पहुंचेगा।

लोकसभा से फाइनेंस बिल पास

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र के दौरान मंगलवार को लोकसभा से फाइनेंस बिल 35 संशोधनों के साथ पास हो गया। बिल पर 24 मार्च को बहस शुरू हुई थी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार ने लोगों की आशाओं और 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के लक्ष्य के लिए काम करने की कोशिश की है। इससे पहले तृणमूल कांग्रेस सांसदों ने संसद परिसर में प्रदर्शन किया। सांसद केंद्र पर पश्चिम बंगाल को मनरेगा के लिए मिलने वाला फंड रोकने का आरोप लगा रहे थे। इस दौरान ञ्जरूष्ट सांसद कल्याण बनर्जी ने कृषि मंत्री शिवराज चौहान को दलाल कहा। बनर्जी ने कहा- शिवराज बंगालियों के खिलाफ हैं। वे गरीबों के लिए कुछ नहीं कर रहे। शिवराज अमीरों के दलाल हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश के गरीबों के लिए काम नहीं किया इसलिए सीएम पद से हटा दिए गए। उधर कांग्रेस ने लोकसभा में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया। पार्टी ने कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार पर गलत बयान देकर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया। नए आयकर बिल पर मानसून सत्र में चर्चा होगी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बताया कि नए आयकर बिल पर मानसून सत्र में चर्चा होगी। बिल अभी सेलेक्ट कमेटी के पास है। कमेटी को अगले सत्र के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट देनी है।

कन्नड़ एक्ट्रेस ने कबूला- हवाला के पैसों से सोना खरीदा

बेंगलुरु (एजेंसी)। गोल्ड स्मगलिंग केस में मंगलवार को रान्या राव की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान डायरेक्टरेट ऑफ रेवन्यू इंटेलिजेंस की वकील मधु राव ने कोर्ट को बताया कि रान्या ने सोने की खरीद में हवाला का पैसा इस्तेमाल होने की बात कबूली है।

वकील ने यह भी बताया कि अधिकारियों ने रान्या राव के खिलाफ न्यायिक जांच शुरू करने के लिए धारा 108 के तहत नोटिस जारी किया है। इससे अन्य वित्तीय अनियमितताओं का पता चल सकेगा। बेंगलुरु सेशन कोर्ट ने रान्या की जमानत पर फैसला 27 मार्च तक सुरक्षित रख लिया है। अब तक दो बार रान्या की जमानत याचिका खारिज हो चुकी है। पहले निचली अदालत और दूसरी बार आर्थिक अपराधों की विशेष अदालत जमानत याचिका खारिज कर चुकी है। कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव 3 मार्च को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 14.2 द्मद्द सोने के साथ गिरफ्तार हुई थी। रान्या ने 16 मार्च को डीआरआई के अतिरिक्त महानिदेशक को लेटर लिखकर कस्टडी के दौरान मारपीट और भूखा रखने का आरोप लगाए थे।

दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर 3 नक्सलियों का एनकाउंटर

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा-बीजापुर जिले की सीमा पर मंगलवार को सुरक्षाबलों ने 25 लाख रुपए के इनामी नक्सली सुधीर उर्फ सुधाकर समेत 3 नक्सलियों को मार गिराया। मारे गए तीनों नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने इसकी पुष्टि की है जानकारी के मुताबिक, मुठभेड़ के बाद जवानों ने मौके से इंसास राइफल, 303 राइफल, 12 बोर राइफल समेत अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद की है। बस्तर रेंज में जवानों ने 2025 में मुठभेड़ में 100 नक्सलियों को मार गिराया है। दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने बताया कि दंतेवाड़ा और बीजापुर के गीदम थाना इलाके के ग्राम गिरसापारा, नेलगोड़ा, बोड़गा और इकेली के सरहदी क्षेत्र में नक्सल कैडर्स की मौजूदगी की सूचना मिली थी।

दिल्ली में पहली बार 1 लाख करोड़ का बजट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को पहली बार 1 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया। महिला समृद्धि योजना के लिए 5100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके जरिए दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए दिए जाएंगे। यमुना और सीवेज की सफाई के लिए 9 हजार करोड़ रुपए का बजट है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आयुष्मान योजना के लिए 2144 हजार करोड़ का बजट रखा है। केंद्र सरकार से 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज तो

मिलेगा ही। साथ ही दिल्ली सरकार भी इसमें अपनी ओर से 5 लाख रुपए जोड़ रही है। यानी आयुष्मान योजना के तहत 10 लाख का इलाज मुफ्त मिलेगा।

रेखा गुप्ता ने कहा- आप ने अपना शीश महल बनवाया, हम गरीबों के घर बनाएंगे। आपने लाखों रुपए के टॉयलेट बनवाए, हम झुग्गी वालों के लिए शौचालय बनवाएंगे।

उन्होंने कहा- केजरीवाल ने अपने फायदे के लिए आयुष्मान योजना दिल्ली में लागू नहीं होने दी। वे चाहते थे कि योजना में उनका भी नाम चलाया जाए, ताकि उनका प्रचार हो। उनकी जिद की वजह से दिल्ली वासियों को सालों तक योजना का लाभ नहीं मिला।

रेखा गुप्ता ने मातृत्व वंदन परियोजना के लिए 210 करोड़ रुपए का प्रावधान किया।

तेलंगाना टनल हादसा, एक और शव निकाला गया

तेलंगाना (एजेंसी)। तेलंगाना टनल हादसे के 32 दिन बाद एक और शव मंगलवार को निकाला गया। शव की पहचान प्रोजेक्ट इंजीनियर मनोज कुमार के रूप में हुई है। इससे पहले 9 मार्च को गुरप्रीत सिंह का शव मिला था। अभी भी छह लोग टनल में फंसे हैं। उनके जिंदा होने की संभावना न के बराबर है, फिर भी सभी के बाहर निकलने तक तलाशी अभियान जारी

रहेगा। नागरकुर्नूल में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल टनल का एक हिस्सा 22 फरवरी को गिर गया था। इसमें 8 मजदूर फंस गए थे। ऑटोमैटिक हाइड्रोलिक-एबल रोबोट तैनात किया गया इससे पहले 15 मार्च को मजदूरों की तलाश के लिए ऑटोमैटिक हाइड्रोलिक-एबल रोबोट को तैनात किया गया था। यह रोबोट एक विशेष तकनीकी से लैस है, जो सर्च ऑपरेशन की रफ्तार बढ़ाने में मदद करेगा।

अधिकारियों के मुताबिक, इस रोबोट के साथ 30 एचपी क्षमता वाला लिक्विड रिंग वैक्यूम पंप और वैक्यूम टैंक मशीन तैनात की गई है, जिससे मिट्टी हटाने का काम तेजी से हो सकेगा। मैन्युअल खुदाई की बजाय, यह रोबोट ऑटोमैटिक तरीके से मलबा हटाने में सक्षम है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस, मानसिक तनाव में थी पीड़ित

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर हॉस्पिटल में रेप और मर्डर केस की पीड़ित ट्रेनी डॉक्टर मानसिक तनाव में थी। मौत के एक महीने पहले उनसे प्रोफेशनल मदद मांगी थी। यह दावा कंसल्टेंट मनोचिकित्सक मोहित रणदीप ने किया है बंगाली टीवी चैनल के इंटरव्यू में मोहित रणदीप ने दावा किया कि पीड़ित को लगातार 36 घंटे ड्यूटी करनी पड़ी थी। उसके साथ शिफ्ट अलॉटमेंट में भेदभाव होता था। उसने दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद में कई गड़बड़ियां देखी थीं। इसके बाद उसे परेशान किया जा रहा था। मनोचिकित्सक ने बताया कि उन्होंने ट्रेनी डॉक्टर को कुछ सलाह दी थी और फॉलो-अप काउंसलिंग के लिए दोबारा आने को कहा था, लेकिन वह नहीं आईं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो वे सीबीआई के सामने गवाही देने के लिए तैयार हैं। आरजी कर हॉस्पिटल में 8-9 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था।

राजस्थान में पारा 41 पार, लू चल रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के बाड़मेर में सोमवार को तापमान 41एष्ट के पार पहुंच गया। मार्च महीने में ही राज्य के कई जिलों में लू के थपेड़े चल रहे हैं। जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर सहित तमाम जिलों में जून जैसी गर्मी महसूस हो रही है। हालांकि, दो दिन बाद मौसम में बदलाव होने का अनुमान है। 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। मध्य प्रदेश में गर्मी का असर रहेगा। दिन के तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। रतलाम में सोमवार को लगातार दूसरे दिन पारा 39 डिग्री से ज्यादा रहा। ग्वालियर, इंदौर और उज्जैन संभाग के जिले सबसे ज्यादा गर्म रहे। उधर, मौसम विभाग ने केरल और कर्नाटक में बारिश की संभावना जताई है।

अमृतपाल सिंह अप्रैल में आ सकता है पंजाब

अमृतसर (एजेंसी)। खालिस्तान समर्थक व सांसद अमृतपाल सिंह को अप्रैल में डिब्रूगढ़ से पंजाब लाया जा सकता है। 22 अप्रैल को अमृतपाल सिंह का एनएसए खत्म हो रहा है।

डीएसपी गुरविंदर सिंह ने मीडिया से बातचीत करते हुए इसके संकेत दिए हैं। अमृतपाल के साथी पप्पलप्रीत सिंह की 10 अप्रैल के बाद वापसी संभव है। बीते चार दिनों में एक और साथी अमनप्रीत को कोटकपूरा से गिरफ्तार किया गया है।अमनप्रीत को भी आज पहले से हिरासत में लिए गए 7 साथियों के साथ अमृतसर की अजनाला कोर्ट में पेश किया गया। जहां पुलिस ने उनका तीन दिन का अतिरिक्त रिमांड हासिल किया है। आज की सुनवाई के दौरान पुलिस अधिकारियों ने अदालत में

बताया कि इस केस में 19 नामजद और करीब 250 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। पुलिस का दावा है कि उन्हें अब भी अमृतपाल द्वारा बनाई गई %आनंदपुर खालसा फौज% के बारे में जानकारी इकट्ठा करनी है, इसलिए आरोपियों का और रिमांड जरूरी है। अमृतपाल सिंह के एक और सहयोगी वीरेंद्र सिंह फौजी को भी पंजाब लाया जा रहा है। पंजाब पुलिस डिब्रूगढ़ से अमृतसर लेकर पहुंच रही। पुलिस का कहना है कि आज देर रात तक वरिंद्र फौजी अमृतसर पहुंच जाएगा, जिसके बाद उसे कल कोर्ट में पेश कर रिमांड लिया जाएगा।

वीरेंद्र सिंह पर लगाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (ह्वस्न) की अवधि समाप्त हो गई है, जिसके बाद अजनाला पुलिस की एक टीम उसे असम की डिब्रूगढ़ जेल से लेकर लौटी है। वीरेंद्र सिंह के अमृतसर लौट आने के बाद अब डिब्रूगढ़ जेल में सिर्फ अमृतपाल सिंह और उसका साथ पप्पलप्रीत सिंह की बचा है।

वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड देशभर में प्रदर्शन करेगा। संगठन ने 17 मार्च को दिल्ली के जंतर-मंतर पर बिल के विरोध में प्रदर्शन किया था। कल यानी 26 मार्च को पटना और 29 मार्च को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में प्रदर्शन की तैयारी है। प्रदर्शन में एआईएमपीएलबी विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों के राष्ट्रीय और प्रांतीय प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। साथ ही सिविल सोसाइटी, अल्पसंख्यक समुदायों के प्रमुख प्रतिनिधि, दलित, आदिवासी और ओबीसी वर्गो के नेता भी इस प्रदर्शन में शामिल होंगे।

भाजपा सांसद और वक्फ संशोधन विधेयक के लिए बनाई गई जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने मंगलवार को कहा कि सरकार ज्यादा से ज्यादा लोगों के फायदे के लिए बिल में संशोधन कर रही है। प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी देश को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।नीतीश-चंद्रबाबू हटे तो गिर जाएगी मोदी सरकार बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार है। वहीं आंध्र प्रदेश में भी एनडीए खेमे के चंद्रबाबू नायडू मुख्यमंत्री हैं। दोनों पार्टियों के बलबूते ही केंद्र की सरकार चल रही है। अगर ये दोनों दल एनडीए से अलग हो जाएं तो भाजपा सरकार अल्पमत में आ जाएगी। दरअसल, केंद्र में सरकार बनाने के लिए 272 का आंकड़ा जरूरी है। फिलहाल एनडीए के पास 292 सांसद हैं। यानी बहुमत से 20 ज्यादा। नीतीश कुमार की जेडीयू के पास 12 और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी के पास 16 सांसद हैं। दोनों का आंकड़ा 28 सांसदों का है। यानी दोनों ने समर्थन वापस लिया तो केंद्र सरकार के पास बहुमत के लिए 8 सांसद कम पड़ेंगे।

केएल राहुल और अथिया शेट्टी के घर गूंजी किलकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल पिता बन गए हैं। उनकी पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस अथिया शेट्टी ने बेटी को जन्म दिया है। इसकी जानकारी खुद भारतीय बल्लेबाजी ने सोशल मीडिया के जरिए दी है। बता दें कि, राहुल इसी कारण दिल्ली कैपिटल्स का पहला मैच खेलने नहीं आए हैं।

इस कपल ने पिछले वर्ष नवंबर में जानकारी दी थी कि आथिया शेट्टी प्रेग्नेंट है। साथ ही टीम इंडिया ने जबसे चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीती उसकेबाद से ही कयास लगाए जाने लगे थे कि राहुल, आईपीएल के शुरुआती मुकाबलों को मिस कर सकते हैं।

बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमीम को मैच के दौरान पड़ा दिल का दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को यहां ढाका प्रीमियर लीग क्रिकेट के दौरान ही दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ति कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना पहली पारी के दौरान टॉस के तत्काल बाद की हुई है। तमीम यहां ढाका प्रीमियर डिवीजन क्रिकेट लीग में खेल रहे थे। तभी मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब और शाइनपुकुर क्रिकेट क्लब के बीच मैच में उनके सीने में दर्द शुरु हो गया। शुरुआत में उन्हें हेलीकॉप्टर से ढाका ले जाने की व्यवस्था की गई थी पर रास्ते में दर्द बढ़ने के बाद उन्हें इलाज के लिए फजीलतुन्नेस अस्पताल ले जाया गया था।

वहीं बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के मेडीकल हेड डॉ. देबाशीष चौधरी ने कहा, स्थानीय अस्पताल में उनकी शुरुआती जांच की गई, जहां दिल में हल्की समस्या होने की आशंका जतायी गयी। इसके बाद उन्हें ढाका ले जाने का प्रयास हुआ पर हेलीपैड के रास्ते में ही उन्हें सीने में तेज दर्द हुआ और इसी कारण उन्हें वापस ले जाना पड़ा। बाद में मेडिकल रिपोर्ट में पता चला कि उन्हें दिल का बड़ा दौरा पड़ा था। देबाशीष ने कहा, यह हम सभी के लिए कठिन समय है। वह फिलहाल निगरानी में है और उम्मीद है कि शीघ्र ही स्वस्थ हो जाएंगे।

उरुग्वे और ब्राजील मैच के खिलाफ विश्वकप क्वालीफायर से बाहर रहेंगे मेसी-फुटबॉल संघ

नई दिल्ली (एजेंसी)। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने कहा है कि चोटिल होने के कारण स्टार फुटबॉलर लियोनन मेसी उरुग्वे और ब्राजील के खिलाफ होने वाले फीफा विश्व कप क्वालीफायर मुकाबले नहीं खेल पायेंगे। फुटबॉल संघ के अनुसार मेसी को फिट नहीं होने के कारा 26 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, मेसी कोकी बाईं जांघ में खिंचाव है। जिसके कारण वह मंगलवार को ब्राजील और शुक्रवार को उरुग्वे के मैच से भी बाहर रहेंगे। मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने क्वालीफायर के

लिए पाउलो डिबाला, जियोवानी लो सेल्सो और गोंजालो मोंटीएल को भी टीम में जगह नहीं दी है। अर्जेंटीना इस ने अभी तक 12 मैचों में 25 अंक हासिल किये हैं। वह 10 टीमों वाली दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है। वहीं उरुग्वे 20 अंकों के साथ ही दूसरे स्थान पर है।

तीन साल के बाद रांची में खेला जाएगा अंतरराष्ट्रीय मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। झारखंड की राजधानी रांची में तीन साल बाद क्रिकेट प्रशंसकों को मैच देखने को मिलेगा। ये मैच 30 नवंबर 2025 को रांची के जेएससीए स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। रांची के अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में अब तक कुल 7 एकदिवसीय खेले गए हैं। इनमें से 3 में भारतीय टीम को जीत मिली थी जबकि दो मैच वह हारी थी जबकि एक मैच रद्द हुआ था। यहां अंतिम बार अक्टूबर 2022 में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबला खेला गया था। उस मैच में भारतीय टीम ने 7 विकेट से जीत दर्ज की थी। इसी को लेकर एक प्रशंसक ने कहा , यह रांची ही नहीं, बल्कि पूरे झारखंड के लिए सम्मान की बात है। तीन साल बाद यहां एक मैच होगा। इस मैच के बाद यहां और भी मैच खेले जाने की संभावनाएं बनेंगी। वहीं एक अन्य प्रशंसक ने कहा कि ये हमारे लिए खुशी की बात है. हम लोग क्रिकेट के बेहद शौकीन हैं। ऐसे में अपने ही घरेलू मैदान पर अपने स्टार पसंदीदा खिलाड़ी को खेलते देखना हमारे लिए किसी उपहार से कम नहीं होता है। इसलिए हम चाहते हैं कि आगे भी यहां मैच होते ही रहें। मदक्षिण अफ्रीका की टीम तीन एकदिवसीय मैचों के लिए भारत आयेगी। इसका पहला ही मैच रांची में खेला जाएग। वहीं बचे हुए दो मैच रायपुर और विशाखापट्टनम में होंगे।

निकहत जरीन मई से रिंग में वापसी करेंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की महिला मुक्केबाज निकहत जरीन मई में खेल में वापसी करेंगी। निकहत घुटने की चोट के कारण पिछल काफी समय से रिंग से दूर थीं। विश्व चैंपियन रही निकहत का कहना है कि अब वह चोटों से मुक्त हैं। हाल ही में 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में मुक्केबाजी को शामिल किए जाने से ही अब उनका लक्ष्य उसमें पदक जीतना है। निकहत ने यहां महिला मुक्केबाजी के अभ्यास सत्र के दौरान कहा, मुझे हल्की सी चोट लगी थी। जिसके लिए तीन-चार महीने के रिहैबिलिटेशन की जरूरत थी। अब सबकुछ ठीक है। मेरा मुख्य ध्यान अब विश्व चैंपियनशिप और विश्व कप पर रहेगा जिसकी मेजबानी भारत कर रहा है। पेरिस ओलंपिक में जरीन शुरुआत में ही बाहर हो गयीं थी हालांकि अब वह उसे भूलकर आगे के मुकाबलों पर ध्यान केन्द्रित करने पर जोर दे रही हैं।

27 करोड़ के ऋषभ पंत ने किया निराश, 6 गेंदों में नहीं खोल पाए खाता

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत आईपीएल 2025 के पहले ही मुकाबले में फेल हो गए। वह 6 गेंदों में भी अपना खाता नहीं खोल पाए और डक आउट हो गए। दरअसल, विशाखापत्तनम में आईपीएल 2025 का चौथा मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेला जा रहा है। जहां लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। पंत को स्पिनर कुलदीप यादव ने 14वें ओवर में फाफ डुप्लेसी के हाथों कैच आउट कराया। पंत जैसे ही डक आउट हुए तो एक अजीब संयोग देखने को मिला। पंत ने एलएसजी के

कप्तान के रूप में केएलराहुल को रिप्लेस किया, जो अब डीसी का हिस्सा हैं।

दरअसल, लखनऊ से पहले पंजाब किंग्स के कप्तान थे। वह पंजाब का कप्तान रहते हुए कभी शून्य पर आउट नहीं हुए। हालांकि, राहुल ने जब पहली बार एलएसजी की कप्तानी की तो वह भी जीरो पर आउट हुए। उन्होंने बतौर एलएसजी कप्तान पहला मैच तीन साल पहले यानी 2022 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेला था। वह उस मैच में गोल्डन डक का शिकार हुए थे। वहीं पंत के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। उन्हें दिल्ली की कमान संभालते हुए कभी जीरो पर आउट होते नहीं देखा। लेकिन जैसे ही एलएजी की कमान संभाली वह डक आउट हो गए। पंत भले ही शून्य पर लौटे लेकिन निकोलस पूरन और मिचेल मार्श ने बेहतरीन पारी खेली। पूरन ने 30 गेंदों में 6 चौकों और 7 छक्कों की मदद से 75 रन की पारी खेली। मार्श ने 46 गेंदों में 6 चौकों और इतने ही छक्कों के दम पर 72 रन बटोरे। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 87 रन की साझेदारी की। एलएसजी ने विशाखापट्टनम के मैदान पर निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 209 रन का स्कोर बनाया।

जानें कौन है दिग्वेश राठी? जिनके एक्शन की जमकर हो रही तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का चौथा मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेला जा रहा है। वहीं लखनऊ टीम से मिस्ट्री स्पिनर दिग्वेश राठी ने अपना डेब्यू किया। बड़े-बड़े बाल वाले दिग्वेश को गेंदबाजी करते देखकर साउथ अफ्रीका के दिग्गज स्पिनर इमरान ताहिर की याद आ गई। उनकी गेंदबाजी में सुनील नरेन की भी झलक देखने को मिलती है। दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले दिग्वेश ने दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल को आउट करके आईपीएल करियर का पहला विकेट मिला। मिस्ट्री स्पिनर दिग्वेश राठी ने दिल्ली के लिए दो टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024/25 में हिस्सा लिया और तीन विकेट लिए। राठी ने पिछले साल दिल्ली प्रीमियर लीग में अपने प्रदर्शन से सुर्खिया बटोरीं। उन्होंने 10 मैचों में 7.82 के इकॉनमी से 14 विकेट लिए। लखनऊ ने उन्हें मेगा नीलामी में 30 लाख रुपये में साइन किया। दिग्वेश राठी की बॉलिंग एक्शन की बात करें तो वह गेंद को पीछे छुपाकर रन अप पूरा करते हैं। ठीक वैसे ही जैसे वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी सुनील नरेन करते हैं। जब गेंद डालते हैं तो ऐसा लगता है कि इमरान ताहिर गेंद कर रहे हैं। अक्षर का विकेट लेने के बाद सेलिब्रेशन भी ताहिर की तरह ही था। वहीं दिग्वेश राठी ने डीपीएल के दौरान बताया था कि वह मिस्ट्री स्पिनर सुनील नरेन, वरुण चक्रवर्ती और रवि बिश्नोई से प्रभावित हैं। उन्होंने सुनील नरेन से सिखा है कि गेंद बल्लेबाज को आखिरी समय में दिखे। वरुण चक्रवर्ती को देखकर रनअप पर काम किया है। वह श्रीलंका के स्पिनर वानिंदु हसरंगा के भी फैन हैं।

निकोलस पूरन ने किया कारनामा, टी20 में पार किया 600 छक्कों का आंगड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स के विस्फोटक बल्लेबाज निकोलस पूरन ने आईपीएल 2025 के पहले ही मैच से बेहतरीन प्रदर्शन किया। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जारी मुकाबले में वह अभी तक 3 छक्के जड़ चुके हैं। इन तीन सिक्स के साथ उन्होंने टी20 क्रिकेट में 600 छक्के का आंकड़ा पार कर लिया है। वह ऐसा करने वाले दुनिया के मात्र चौथे खिलाड़ी बन गए हैं।

इसमें हैरानी की कोई बात नहीं है कि उनसे पहले जिन तीन खिलाड़ियों ने ये कारनामा किया है वो भी वेस्टइंडीज से ही हैं। लिस्ट में यूनिवर्स बॉस के नाम से मशहूर क्रिस गेल एकमात्र ऐसे खिलाड़ी

हैं जिनके नाम इस फॉर्मेट में 1000 से ज्यादा छक्के दर्ज हैं।

गेल ने अपने करियर में खेली 455 पारियों में 1056 छक्के लगाए थे। वहीं पूरन ने 359वीं पारी में 600 छक्कों का आंकड़ा पार किया है। इस लिस्ट में कीरोन पोलार्ड और आंद्रे रसेल का भी नाम शामिल है।

पोलार्ड टी20 में अभी तक 908 छक्के जड़ चुके हैं, वहीं रसेल 733 छक्कों के साथ उनके पीछे हैं। टॉप-5 में आखिरी बल्लेबाज इंग्लैंड के ऐलेक्स हेल्स हैं जिनके नाम 552 छक्के हैं। इसके अलावा रोहित शर्मा 525 छक्कों के साथ 8वें पायदान पर हैं।

गुवहाटी को पहली बार मिली है टेस्ट मैच की मेजबानी-सैकिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के पूर्व क्रिकेटर रहे (बीसीसीआई) महासचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि इस साल गुवहाटी में पहली बार टेस्ट मैच खेला जाएगा। ये मैच भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाली होने वाली टेस्ट मैच का हिस्सा होगा। इससके अलावा साल के अंत में यहां आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप का भी भी एक मैच खेला जाएगा। सैकिया ने कहा, 'गुवाहाटी में अब तक कोई टेस्ट और विश्व कप मैच नहीं खेला गया है पर अब बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की बैठक के बाद उसे इन मैचों की मेजबानी मिली है। उन्होंने कहा कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला का दूसरा मैच 22 नवंबर से यहां असम क्रिकेट संघ (एसीए) स्टेडियम में खेला जाएगा। इस तरह गुवाहाटी टेस्ट मैच की मेजबानी करने वाला पूर्वोत्तर का पहला शहर होगा। सैकिया ने कहा कि एसीए स्टेडियम में आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप के पांच से छह मैच भी खेले जाएंगे। उन्होंने कहा, 'महिला विश्व कप 24 सितंबर से दो नवंबर तक खेला जाएगा। इसके कार्यक्रम को गुवाहाटी को शामिल किया गया है।' सैकिया ने अपने क्रिकेट करियर में साल 1990-1991 के बीच चार प्रथम श्रेणी मैच खेलते हैं।

युजवेंद्र-धनश्री एलिमनी की रकम भी सोशल मीडिया पर छाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बॉलर युजवेंद्र चहल की जिंदगी में आया तूफान 4.75 करोड़ की एलिमनी के साथ फिलहाल थम गया है। युजवेंद्र चहल को तलाक के लिए पत्नी को 4.75 करोड़ रुपए की एलिमनी देनी पड़ी। युजवेंद्र चहल की खबर के साथ एलिमनी की रकम भी सोशल मीडिया पर छाई रही। कुछ ने कहा कि चहल से सहानुभति जताई तो कुछ ने कहा कि यह क्रिकेटर सस्ते में छूट गया। कई क्रिकेटफैन युजवेंद्र चहल की नेटवर्थ और आईपीएल से कमाई की चर्चा भी करते रहे। युजवेंद्र चहल ने धनश्री वर्मा से दिसंबर 2020 में शादी की थी। यह शादी कामयाब नहीं रही। चहल और धनश्री के रिश्तों में जल्दी ही दरार आ गई। जून 2022 से दोनों अलग रहने लगे। पिछले दिनों दोनों के तलाक की खबरें आई, जिन पर 20 मार्च को कोर्ट की मुहर लग गई। युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा ने आपसी सहमति (म्यूचुअल डिवोर्स) से तलाक लिया है।

एकदिवसीय प्रारुप में गेंदबाजों के लिए कुछ नहीं बचा -मोईन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोईन अली ने कहा है कि एकदिवसीय क्रिकेट प्रारुप भविष्य नहीं है। मोइन ने कहा कि इसका कारण बल्लेबाजों के पक्ष में नियमों का होना है। जिससे गेंदबाजों के लिए इस प्रारुप में कुछ नहीं बचा है। साथ ही कहा कि इसी कारण आजकल टी20 लीग में खेलने वाले खिलाड़ियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

पिछले साल संन्यास लेने वाले मोईन ने इंग्लैंड की ओर से 138 एकदिवसीय मैचों में 2,355 रन बनाने के अलावा 111 विकेट भी लिए हैं। वहीं 68 टेस्ट मैच में उन्होंने 3000 से अधिक रन बनाए हैं और 200 से अधिक विकेट लिए हैं। मोईन ने कहा, ''विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी को छोड़कर एकदिवसीय प्रारूप लगभग पूरी तरह समाप्त हो गया है। यह खेलने के लिए सबसे खराब प्रारूप है और मुझे लगता है कि इसके कई कारण हैं।'' पहले के समय में पहले पावरप्ले के बाद सर्कल के बाहर पांच क्षेत्ररक्षक हुआ करते थे पर पिछले कुछ साल में यह संख्या चार हो गई है जिससे बीच के ओवरों में बल्लेबाजी करना आसान हो गया है। इतना ही नहीं दो नई गेंदों का इस्तेमाल किया जाता है जो पहले नहीं होता था जिससे बल्लेबाजों के लिए रन बनाना अब बहुत आसान हो गया है।

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि नियम बहुत खराब हैं। पहले पावरप्ले के बाद अतिरिक्त क्षेत्ररक्षक रखना, मुझे लगता है कि विकेट लेने और किसी भी तरह का दबाव बनाने के लिए यह एक खराब नियम है। इसी वजह से अब खिलाड़ी एकदिवसीय क्रिकेट में 60 और 70 का औसत बना रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''जब आप किसी को गेंदबाजी कर रहे होते हैं और आप थोड़ा दबाव डालते हैं तो बल्लेबाज बस रिवर्स-स्वीप करता है और यह एक रन नहीं बल्कि यह चौका होता है। हमेशा बल्लेबाजों के लिए रन बनाने का विकल्प उपलब्ध रहता है।'' मोईन ने कहा कि जिस प्रकार से फ्रेंचाइजी क्रिकेट मोटी रकम देकर लुभा रहा है उससे अधिक से अधिक खिलाड़ी अब संन्यास लेकर इस प्रारुप में खेलते दिखेंगे।

दिन दहाड़े हंड्रेड डायल वाहन में सवार पुलिसकर्मियों ने की सेटिंग, बेखबर बने टीआई

चोरहटा पुलिस ने ब्राउन शुगर पर बनाई सेटिंग, थानेदार को नहीं पता चली अपने ही अधीनस्थ की ये कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर की चोरहटा थाना पुलिस का अजब गजब कारनामा उजागर हुआ हैं जहां चोरहटा थाने की पुलिस ने अंतराष्ट्रीय मार्केट में बैन चल रहे ब्राउन शुगर की कार्यवाही पर ही मैनेजमेंट कर लिया और अधिकारियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। साथ ही पुलिस की टीम के द्वारा मैनेजमेंट पर की गई कार्यवाही में 25 ग्राम गांजे के साथ करीब 20 सीसी नशीली कफ सिरप भी पकड़ी गई थी परन्तु उसे भी पचाने में पुलिस की टीम कामयाब हो गई तथा मामले में पकड़े गए आरोपियों से मोटी रकम लेकर उन्हें भगा दिया।

25 ग्राम गांजे के साथ 20 शीशी कफ सिरप पकड़ कर पुलिस टीम ने बनाया मैनेजमेंट, 68 हजार रुपए की ब्राउन शुगर में भी कर ली लीपापोती

सेटिंग में शामिल डॉयल हंड्रेड वाहन : दरअसल सोमवार की दोपहर करीब 2 बजे चोरहटा थाना पुलिस की हंड्रेड डायल वाहन लगभग थाना क्षेत्र का भ्रमण कर रही थी तभी उस वाहन में बैठे पुलिसकर्मियों को थाना इलाके में संचालित कालिका ढाबे में अवैध गतिविधियों के संचालन की जानकारी मिली जिसके बाद आव देख न ताव डायल हंड्रेड वाहन में सवार 3 पुलिसकर्मी तुरंत कालिका ढाबा पहुंच गए जहां से पुलिस की टीम ने ब्राउन शुगर के साथ 25 ग्राम गांजा और 20 सीसी कफ सिरप लिए 3 आरोपी मिल गए जिसपर तीनों आरोपियों को सामान सहित थाने ले जाया गया मगर पुलिस की टीम ने यहां पर चूक कर दी तथा थाने पहुंचने के बाद इन आरोपियों पर किसी भी तरह की कार्यवाही किए बिना आपसी लेनदेन कर उन्हें चलता कर दिया।

पुलिस ने की मुख्य तस्कर को पकड़कर छोड़ने की गलती: बताया जा रहा है कि पकड़े गए 3 आरोपियों में से एक कालिका ढाबे का संचालक था वहीं रीवा के मार्केट में ब्राउन शुगर का विस्तार करने वाला मुख्य आरोपी विकास मोराई तथा एक अन्य शामिल थे जिनके पास से 20 सीसी नशीली कफ सिरप और गांजे के साथ करीब 68 हजार रुपए की ब्राउन शुगर भी बरामद की गई परन्तु इन पर कार्यवाही करने की बजाय पुलिस ने अपनी मेहरबानी दिखाते हुए इन्हें रिहा कर दिया बदले में चोरहटा थाना पुलिस की टीम को आरोपियों के द्वारा किलो के वजन में मिठाई (लाखों की राशि) से पुरस्कृत किया गया।

भाजपा के दिग्गज नेता का फोन बना सेटिंग का जरिया: जानकारी के मुताबिक चोरहटा थाने की पुलिस जैसे ही आरोपियों को लेकर थाने पहुंची तभी भाजपा के दिग्गज नेता का फोन आ गया और उन्होंने सारी सेटिंग बनाते हुए तत्काल इन आरोपियों को छोड़ने की सिफारिश कर दी जिससे चोरहटा पुलिस ने बिना समय गंवाए आरोपियों को रिहाई दे दी। और मजे की बात तो यह है कि इतना सबकुछ होने के बाद भी थानेदार साहब मामले पर अनभिज्ञता जाहिर कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बैन ब्राउन शुगर : आपको बता दें पुलिस की टीम ने मामले में जो मैनेजमेंट बनाया है उसमें ब्राउन शुगर का मुख्य तस्कर शामिल है जो रीवा के बाजार में ब्राउन शुगर की बढ़ रही डिमांड को तेजी से पूरा करता है। तथा पुलिस की यह कार्यवाही अब सवालों के घेरे में बनी हुई है क्योंकि ब्राउन शुगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी बैन है ऐसे में इस तरह के सबसे महत्वपूर्ण नशे की सामग्री पर खुल्लम खुल्ला मैनेजमेंट बनाना अन्य पुलिसकर्मियों के लिए भी एक मिसाल ही बनेगा।

हमारे थाना क्षेत्र में ऐसी कोई कार्यवाही नहीं हुई है जिसमें पुलिस के टीम ने ब्राउन शुगर या कफ सिरप पकड़ी है हमने महज शराब पर कार्यवाही की है। साथ ही थाना की पुलिस कोई मैनेजमेंट करे इसपर सवाल करना अनुचित होगा।

आशीष मिश्रा, थाना प्रभारी चोरहटा

मन प्रबंधन द्वारा उत्कृष्ट प्रशासन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अपने विचारों, भावनाओं और कार्यो पर नियंत्रण रखें। अपने भावों व विचारों को समझे, एवं तनाव व चिंता से अपने को दूर रखें। अपने व्यवहार को सकारात्मक तरीके से निर्देशित करें। उक्त उ-गार राजयोगिनी ब्राम्हकुमारी डॉ रीना दीदी ने आनंद विभाग एवं ब्राम्हकुमारी संस्थान रीवा द्वारा ज़िलें में कार्यरत शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों व सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए कलेक्ट्रेट मोहन सभागार में मन प्रबंधन द्वारा उत्कृष्ट प्रशासन विषय पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में व्यक्त किये। उन्होंने व्याख्यान कार्यक्रम में बताया कि यह कार्यक्रम पूरे प्रदेश में मध्यप्रदेश शासन के साथ मिलकर आयोजित किया जा रहा है। जिससे प्रदेश शासकीय विभागों में कार्यरत अधिकारियों कर्मचारियों को तनाव मुक्ति व जीवन प्रबंधन के बारे में जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रशासन समाज की रीढ़ है। अतः इसमें कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारी तनावमुक्त होकर अपना कर्तव्य निर्वहन करें। जीवन में सुख शांति के लिये अध्यात्म आवश्यक है। कार्य को पूजा मानकर विजी रहते हुए इजी बने रहे। कार्यशाला में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में ब्राम्हकुमारी संस्थान से क्षेत्रीय प्रमुख राजयोगिनी निर्मला बहन जी, श्री बीके प्रकाश, बीके राम भाई, बी के राहुल भाई, संयुक्त कलेक्टर पीके पांडेय, डिप्टी कलेक्टर श्रेयस गोखले उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण पाठक सम्भागीय समन्वयक जन अभियान परिषद एवम जिला नोडल अधिकारी आनंद विभाग द्वारा किया गया। इस दौरान जिला स्तरीय विभागीय अधिकारी व कर्मचारी स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बरागांव के निवासियों ने नल जल योजना से जल प्रदाय की मांग की

जनसुनवाई में 132 व्यक्तियों की सुनी गई समस्यायें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने कलेक्ट्रेट में 132 व्यक्तियों की समस्याओं सुनीं। विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदनों को अपर कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को समाधानकारक कार्यवाही किये जाने हेतु प्रेषित किया।

मोहन सभागार में आयोजित जनसुनवाई में बरागांव के रहवासियों ने नल जल योजनान्तर्गत जल प्रदाय का आवेदन दिया जिसे जनपद सीईओ रीवा को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया। चौखण्डी निवासी पुष्पेन्द्र कुमार द्विवेदी ने नक्शा के विपरीत नहर खोदने के कार्य को रोकने, गाढ़ा 138 निवासी धनेश सोनकर ने अतिक्रमण हटाने, गंगतीरा निवासी ललिता प्रसाद द्विवेदी ने नक्शा सुधार कराने तथा पचोखर निवासी संतोष तिवारी ने खसरा सुधार का आवेदन दिया जिन्हें संबंधित एसडीएम को कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

रामायण साकेत निवासी पटना के समग्र में नाम जोड़कर खाद्यान्न उपलब्ध कराने तथा विरौलिया देवी निवासी किरहाई जवा के खाद्यान्न प्रदाय करने के आवेदनों को खाद्य अधिकारी को, स्वाती साकेत निवासी हिनौता के पीएम आवास की सूची में नाम जोड़ने के आवेदन को जनपद सीईओ सिरमौर को कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। बरौ बैकुण्ठपुर के विक्रेतागणों ने गरीब कल्याण अन्न योजना की राशि प्रदाय किये जाने का आवेदन जनसुनवाई में दिया जिसे महाप्रबंधक केन्द्रीय सहकारी बैंक को कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया। छोटेलाल कोल जोकहा निवासी के आवासीय पट्टा दिलाने तथा हुजूर पड़िया निवासी राजकुमार सिंह के न्यायालय के प्रकरण का पालन कराने के आवेदन को संबंधित तहसीलदार को कार्यवाही करने के लिये प्रेषित किया गया। बिमला मिश्रा धौरहरा ने अधिगृहीत भूमि का मुआवजा देने का आवेदन दिया जिसे भूअर्जन अधिकारी को तथा गड़रहा निवासी श्यामसुन्दर पाण्डेय के जरमोहरा बांध के पानी को खेत तक पहुंचाने के आवेदन को जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री को समुचित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय एवं तहसीलदार जितेन्द्र तिवारी ने भी आमजनों की समस्यायें सुनीं।

युवा संगम कार्यक्रम में युवाओं को मिला रोजगार

कलेक्टर ने युवाओं का किया उत्साहवर्धन, लगन व मेहनत से कार्य करने की दी समझाइश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, स्वरोजगार के हितग्राहियों को हितलाभ देने तथा आपरेंटिसशिप मेले के आयोजन के उद्देश्य से युवा संगम कार्यक्रम का जिला मुख्यालय में वृहद आयोजन किया गया। टी.आर.एस. कॉलेज परिसर में आयोजित मेगा जॉब फेयर में 1668 युवाओं को विभिन्न निजी कंपनियों में रोजगार के अवसर पर प्राप्त हुए। स्वरोजगार हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये गये तथा आपरेंटिसशिप के लिए युवाओं का चयन किया गया।

युवा संगम अन्तर्गत आयोजित मेगा जॉब फेयर में टीआरएस कॉलेज के सभागार में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि लगन व मेहनत से कार्य करें तथा आधुनिक संचार माध्यमों का सकारात्मक उपयोग कर प्रगति के पथ पर आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि रोजगार मेले में युवाओं की उपस्थिति यह दर्शाती है कि अभी पढ़ाई करने वाले युवा भी अपने भविष्य के प्रति जागरूक हैं और आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं। उन्होंने अपेक्षा की कि चयनित युवा अपना कार्य नियमित करें तथा आवश्यकतानुसार इसे अपग्रेड करें। कलेक्टर ने स्वरोजगार के हितग्राहियों से बाजार की आवश्यकतानुसार उत्पाद निर्मित करने की बात कही। उन्होंने युवाओं व हितग्राहियों से अपने कौशल को बेहतर बनाने की अपेक्षा की। कलेक्टर ने विभिन्न कंपनियों में चयनित युवाओं को ऑफर लेटर प्रदान किये तथा मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये। उन्होंने उद्यानिकी विभाग से चयनित हितग्राहियों को अनुदान राशि के चेक प्रदान किये। इससे पूर्व कलेक्टर ने मेगा जॉब फेयर के पंजीयन काउंटर, काउंसिलिंग काउंटर व विभिन्न कंपनियों के काउंटर में जाकर व्यवस्थायें व प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने कंपनियों के प्रतिनिधियों से जानकारी ली तथा युवाओं से संवाद किया।

इस अवसर पर उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने जानकारी दी कि मेगा जॉब फेयर में 40 कंपनियों द्वारा युवाओं को रोजगार प्रदान किये गये। इससे पूर्व वर्ष 2023 में जिले में 4135 युवा चयनित हुए जिनमें से 1800 युवाओं को ऑफर लेटर मिला जबकि वर्ष 2024-25 में 1886 युवाओं को आफर लेटर दिये गये। उन्होंने बताया कि मेगा जॉब फेयर में 2824 युवाओं का पंजीयन हुआ जिनमें 2239 पुरूष, 574 महिला तथा 11 दिव्यांग शामिल हैं।

रोजगार मेले में मिडिया इंडिया प्रा. लि. महाराष्ट्र (जीएमसीसी) में 9, सिनोवा गियर्स एण्ड ट्रांसमिशन प्रा.लि. राजकोट गुजरात तथा पीएसएमएल बॉश ग्रुप पुणे में 2, ट्रांयडेन्ट कंपनी बुधनी सीहोर में 23, रेयान सोलर प्रा. लि. में 4, इंटरनिटी क्रेस्ट्स गुजरात में 180, एसआईएस सिक्योरिटी सिंगरौली में 29, एमआरएफ टायर लिमिटेड गुजरात में 38, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा नसिक में 126, फ्लिप कार्ट रीवा में 71, अदानी न्यू इंडस्ट्री लिमि कच्छ गुजरात में 32, टाटा मोटर ऑटोमोबाइल कंपनी अहमदाबाद गुजरात तथा रिलायंस सोलर में 92, अनएकेडमी नोएडा में 38, विन्ध्या टेलीलिंक्स रीवा में 11, मानाबुकी पुणे में 31, एक्टिव कंपोनेंट्स गुजरात में 29, एसएसपीएल महाराष्ट्र में 27, अल्ट्राटेक रीवा में 21, ख्याति शील्ड छत्तीसगढ़ में 61, ग्रोफास्ट जबलपुर में 48, यशस्वी ग्रुप भोपाल में 49, डी एण्ड एच सेचरोन कंपनी इंदौर में 26, लार्सन एण्ड टूब्राा में 66, शक्ति पंप इंडिया लिमिटेड में 45, हिन्द फार्मा में 30, प्रगतिशील बायोटेक प्रा.लि. सतना में 82, प्रगतिशील बायोटेक प्रा.लि. रीवा में 80, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा 108, एचडीएफसी लाइफ इश्योरेन्स कंपनी लिमि. रीवा में 41, डीएमसी फिनिसिंग स्कूल प्रा. लि. पुणे में 23, आयसर ट्रक एण्ड बस पीथमपुर धार इंदौर में 66, एसबीआई लाइफ में 80, स्वतंत्र माइक्रोफिन प्रा. लि. में 23, जय भारत मारूति हरियाणा में 20, जिंदल पाइप में 16, मुंजाल शोवा में 8, विनप्रेज मीडिया लखनऊ में 9 तथा भारतीय जीवन बीमा निगम रीवा में 17, रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन प्राचार्य श्रीमती अर्पिता अवस्थी ने किया। जिला प्रशासन, रोजगार कार्यालय, शासकीय आईटीआई, संभागीय योजना एवं सांख्यिकी, परियोजना एवं संचालक बाल श्रम, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र और टीआरएस कालेज के तत्वाधान में आयोजित मेगा जाब फेयर में सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के नोडल अधिकारी डॉ. अच्युत पाण्डेय, डीएमसी डायरेक्टर गोपेश्वर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, प्राध्यापक, विद्यार्थी तथा कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नेत्रहीन को राशन कार्ड और बेघर वृद्धा को मिला न्याय

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज के नवनियुक्त कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जनसुनवाई में 24 शिकायतों की सुनवाई की। इस दौरान दो गंभीर मामलों का तत्काल समाधान किया गया। ग्राम पंचायत गोरहा के निवासी गोविंद का तीन साल पूर्व राशन कार्ड में नाम कट गया था। कलेक्टर ने जनपद मऊगंज प्रभारी सीईओ राम कुशल मिश्रा को तत्काल राशन कार्ड बनवाने और खाद्यान्न उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसी प्रकार पटेहरा टोला की 75 वर्षीय वृद्ध महिला को उनके बच्चों ने घर से निकाल दिया था और वृद्धावस्था पेंशन भी ले लेते थे। कलेक्टर ने हनुमना एसडीएम कमलेश पुरी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। एसडीएम को निर्देश दिये गये कि यदि बच्चे महिला को घर में नहीं रखते हैं तो पोषण अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जाए। जनसुनवाई में भुअरी कोठार के अंगद प्रसाद पटेल ने नक्शा तरमीम, टटिहरा के नरेश साकेत ने जमीन से बेदखली, और सोना कुशवाहा नरेंद्र ने सीमांकन का आवेदन दिया। राममिलन प्रजापति ने कुम्हार जाति को विलोपन सूची से हटाने की मांग की। कलेक्टर ने शिकायतों का मौके पर निराकरण किया और शेष प्रकरणों को संबंधित विभागों को एक सप्ताह में निपटाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर राजेश मेहता, डिप्टी कलेक्टर पवन गोरैया, रश्मि चतुर्वेदी, एसडीएम और सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बच्चों को सुपोषित रखने के साथ शिक्षा से भी जोड़ें - सोलंकी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संभाग के सभी जिलों में महिला एवं बाल विकास विभाग के आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को परियोजना स्तर पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य आंगनवाड़ी में दर्ज तीन वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को अनौपचारिक शिक्षा देकर स्कूल में प्रवेश के लिए तैयार करना है। संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीमती ऊषा सिंह सोलंकी ने रीवा जिले के शहरी और ग्रामीण परियोजना तथा गंगेव परियोजना में आयोजित प्रशिक्षण में कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया। संयुक्त संचालक ने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य पोषण भी पढ़ाई भी निर्धारित किया गया है। सभी कार्यकर्ता शिशुओं की स्वास्थ्य रक्षा तथा सुपोषण का ध्यान रखने के साथ-साथ उन्हें अनौपचारिक शिक्षा से भी जोड़ें। आंगनवाड़ी केन्द्र में दर्ज तीन वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को छोटे-छोटे मनोरंजक खेलों के माध्यम से अनौपचारिक शिक्षा दें जिससे पाँच वर्ष की आयु पूरा करने के बाद बच्चे स्कूल में जाने के लिए पूरी तरह से तैयार हो जाएं। प्रशिक्षण के संबंध में निर्देशिका में समुचित मार्गदर्शन दिया गया है। इसका भलीभांति अध्ययन करके पोषण भी और पढ़ाई भी के उद्देश्य को पूरा कराएं। संयुक्त संचालक ने कार्यकर्ताओं को पोषण आहार के वितरण, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण के संबंध में भी निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया ईव्हीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विभानसभा निर्वाचन 2023 तथा लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान में उपयोग की गई ईव्हीएम इंजीनियरिंग कालेज के समीप बनाए गए ईव्हीएम वेयर हाउस में सुरक्षित रखी गई हैं। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार ईव्हीएम वेयरहाउस का प्रत्येक त्रैमास में निरीक्षण किया जाता है। इस क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने ईव्हीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया। इस अवसर पर राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले, प्रभारी अधिकारी ईव्हीएम तथा कार्यपालन यंत्री आदित्य सिंह नोडल अधिकारी फैज मोइन सिद्दीकी उपस्थित रहे।

खाद्य गुणवत्ता और स्वच्छता प्रबंधन की समीक्षा, चलाया जायेगा एक महीने का सघन जागरूकता अभियान, उपमुख्यमंत्री ने कहा-

हेल्दी और हाइजीनिक फूड की उपलब्धता सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा "मन की बात" में देशवासियों को उचित खान-पान और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि संतुलित और स्वच्छ भोजन नागरिकों के स्वास्थ्य का आधार है। उन्होंने निर्देश दिए कि स्ट्रीट फूड विक्रेताओं और खाद्य संस्थानों को सही खाद्य पदार्थों का उपयोग और स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में खाद्य गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने हेतु की जा रही कार्यवाहियों और गतिविधियों की वृहद समीक्षा की। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, आयुक्त फूड सेफ्टी श्री संदीप यादव, नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन श्री दिनेश कुमार मौर्य, संयुक्त नियंत्रक श्रीमती माया अवस्थी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश में एक महीने का विशेष जन जागरूकता अभियान चलाया जाये। जिसमें सभी जिलों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता की जांच हो साथ ही अच्छी प्रैक्टिस की जानकारी भी दी जाये। एक माह बाद खाद्य गुणवत्ता में सुधार के प्रभाव की समीक्षा कर आगामी कार्ययोजना का निर्धारण किया जायेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्ट्रीट फूड विक्रेताओं और खाद्य कारोबारियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा संबंधी बेहतर तरीकों के बारे में जागरूक किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जनप्रतिनिधियों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल करने का प्रयास किया जाए ताकि वे अपने क्षेत्रों में जन-जागरूकता का प्रसार कर सकें। उन्होंने कहा कि हर ज़िले में हेल्दी और हाईजेनिक फ़ूड स्ट्रीट प्रमाणन के प्रयास किए जायें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री श्री मोदी के ईट राइट इंडिया अभियान को गति देगा और नागरिकों को सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की दिशा में प्रदेश को आगे ले जाएगा। उन्होंने कहा कि हेल्दी और हाइजीनिक फूड की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

खाद्य पदार्थों की जाँच में तेज़ी लाने के लिये 3 नई संभागीय खाद्य एवं औषधि प्रयोगशालाओं का निर्माण इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में किया जा रहा है। इंदौर और जबलपुर में मशीनें स्थापित कर मानव संसाधन उपलब्ध कराकर परीक्षण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। ग्वालियर में 60 प्रतिशत सिविल कार्य पूरा हो चुका है। भोपाल में हाइटेक माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला का 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। संयुक्त नियंत्रक श्रीमती माया अवस्थी ने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत प्रदेश में 1 अप्रैल से 31 दिसंबर 2024 तक 10,670 लीगल नमूने और 31,387 सर्विलेंस नमूने लिए गए, जिनमें से 30,692 नमूनों का विश्लेषण किया गया। इनमें 1,663 नमूने असुरक्षित, अवमानक या मिथ्याछाप पाए गए। विभाग ने 1,729 प्रकरण दायर किए और 2,015 प्रकरणों का निपटारा किया, जिनमें से 2,000 प्रकरणों में दोषसिद्धि हुई। इस अवधि में 24,485 लाइसेंस और 1,46,258 रजिस्ट्रेशन जारी किए गए। लाइसेंस/रजिस्ट्रेशन से 12.47 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि 9.02 करोड़ रूपये का अर्थदंड अधिरोपित कर 2.98 करोड़ रूपये की वसूली की गई।

खाद्य पदार्थों में मिलावट के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु 270 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर 13,588 खाद्य कारोबारियों को प्रशिक्षित किया गया है। चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से 563 जनजागरूकता कार्यक्रमों में 15,185 नागरिकों को प्रशिक्षण दिया गया। फोर्टिफाइड राइस कर्नेल निर्माताओं को भारत सरकार के सहयोग से प्रशिक्षित किया गया। 'ईट राइट' गतिविधि के तहत 10 ईट राइट कैंपस, 9 ईट राइट स्कूल, 3 क्लीन वेजिटेबल मार्केट, 4 सेफ भोग प्लेस, 188 हाईजीन रेटिंग और 2 ईट राइट स्टेशनों को प्रमाणित किया गया है।

संयुक्त नियंत्रक श्रीमती माया अवस्थी ने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत खाद्य पदार्थों को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है। अवमानक खाद्य (सबस्टैंडर्ड) वह होता है जो निर्धारित मानकों को पूरा नहीं करता, लेकिन इससे मानव स्वास्थ्य को कोई खतरा नहीं होता।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।